E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -119 | प्रयागराज, शुक्रवार 18 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

प्लेन क्रैश मामला- दावा- कैप्टन ने फ्यूल सप्लाई रोकी थी,को-पायलट ने पूछा स्विच क्यों बंद किए, आवाज में घबराहट थी, सीनियर पायलट शांत थे

अहमदाबाद। अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया के विमान के दोनों पायलटों के बीच आखिरी बातचीत को लेकर नया दावा सामने आया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि विमान के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी। डब्लूएसजे ने बताया कि यह खुलासा दोनों पायलटों के बीच बातचीत की कॉकपिट रिकॉर्डिंग से हुआ है। वॉयस रिकॉर्डिंग से पता चला कि बोइंग विमान उड़ा रहे को-पायलट क्लाइव कुंदर ने कैप्टन सुमीत सभरवाल से पूछा, 'आपने फ्यूल स्विच को 'कट ऑफ' पोजिशन में क्यों कर दिया?' सवाल करते समय को-पायलट हैरान थे। उनकी आवाज में घबराहट थी, जबकि कैप्टन सुमीत शांत दिखे। कैप्टन सुमीत सभरवाल एअर इंडिया विमान के सीनियर पायलट थे। उनके पास 15,638 घंटे और को-पायलट क्लाइव कुंदर के पास 3,403 घंटे का उड़ान अनुभव था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में विमान हादसे की जांच करने वाले अमेरिकी अधिकारियों की शुरुआती जांच से परिचित लोगों का हवाला दिया है। इस रिपोर्ट पर भारत के एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, बोइंग या एअर इंडिया की प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो ने 12 जुलाई को प्लेन क्रैश पर अपनी शुरुआती जांच रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया था कि फ्यूल स्विच अचानक 'रन' से 'कट ऑफ़' पोजिशन में चले गए थे, जिससे दोनों इंजन बंद हो गए। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि फ्यूल स्विच कैसे बंद हुए। एएआईबी की रिपोर्ट में बताया कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर पर एक पायलट को दूसरे से यह पूछते हुए सुना गया कि उसने फ्यूल क्यों बंद कर दिया। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।एअर इंडिया ने बुधवार को अपने बोइंग-787 सीरीज के सभी विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच के लॉकिंग फीचर की जांच पूरी होने की जानकारी दी। एयरलाइन कंपनी ने अपने पायलटों को भेजे एक मैसेज में बताया कि जांच के दौरान फ्यूल स्विच में कोई खराबी नहीं पाई गई। कंपनी ने बताया कि सभी बोइंग-787 विमानों में थ्रॉटल कंट्रोल मॉड्यूल भी बदले गए हैं। फ्यूल कंट्रोल स्विच, टिसिएम का एक अहम हिस्सा है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने 14 जुलाई को सभी एयरलाइन कंपनियों को 21 जुलाई तक बोइंग-737 और 787 सीरीज के सभी विमानों में फ्यूल स्विच की जांच करने के निर्देश दिए थे। एअर इंडिया के पास कुल 33 बोइंग-787 ड्रीमलाइनर विमान हैं। इंडिगो के पास सात बी-737 मैक्स 8 और एक बी-787-9 विमान हैं। ये सभी विमान लीज पर, वेट लीज पर या फिर डैम्प लीज पर हैं। इसलिए भारत में रजिस्टर्ड नहीं हैं। एअर इंडिया के फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स ने आपत्ति जताई है। संगठन ने कहा कि बिना पूरी और पारदर्शी जांच के पायलटों पर दोष डालना जल्दबाजी और गैर-जिम्मेदाराना है। एफआईपी ने बुधवार को बयान जारी कर मीडिया, अधिकारियों और अन्य लोगों से अपील की कि वह अधूरी जानकारी या गलतफहमियों को फैलाने से बचें। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के 32 सेकेंड देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी। एफआईपी अध्यक्ष सीएस रंधावा ने कहा कि पायलट संगठनों को जांच में शामिल नहीं किया गया और रिपोर्ट को जिस तरह से पेश किया गया है, वह एकतरफा और अधूरी है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में सिर्फ कॉकपिट की बातचीत के कुछ हिस्सों को चुनकर पेश किया गया है और पायलटों की छवि खराब करने की कोशिश हो रही है।

छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर ईडी की रेड,सुबह 5 बजे बलरामपुर और मुंबई पहुंचीं टीमें,100 करोड़ की फंडिंग का मामला

लखनऊ/बलरामपुर। यूपी में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन के ठिकानों पर ईडी की रेड हुई है। गुरुवार सुबह 5 बजे से बलरामपुर के 12 ठिकानों और मुंबई के 2 ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, 100 करोड़ की फंडिंग के मामले में ईडी ने यह कार्रवाई की है। दरअसल, यूपी एटीएस को छांगुर बाबा गिरोह के हवाला नेटवर्क, संदिग्ध बैंक ट्रांजैक्शन और विदेशी फंडिंग के कई सुराग हाथ लगे थे। इस संबंध में एटीएस ने ईडी को दस्तावेज सौंपे थे। इसके बाद ईडी ने यह एक्शन लिया है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की जांच में पता चला है कि गिरोह के 30 में से 18 बैंक खातों में अब तक करीब 68 करोड़ रुपए का ट्रांजैक्शन दर्ज हुआ है। महज तीन महीने में 7 करोड़ रुपए की विदेशी फंडिंग इन खातों में हुई। यह रकम हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के जरिए विभिन्न देशों से भेजी गई है। छांगुर गिरोह की गतिविधियों से जुड़े आतंकी नेटवर्क के दस्तावेज भी हाथ लगे हैं। 1- एक बड़ी इमारत को आतंकी ट्रेनिंग कैंप के तौर पर इस्तेमाल किए जाने के सबूत। यह इमारत कहां की है यह स्पष्ट नहीं हो पाया। 2- विदेशी फंडिंग से बंगला, शोरूम, फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी गाड़ियां खरीदी गईं। 3- दरगाह में हर साल भव्य उर्स का मेला लगता था। इसमें देश-विदेश से लोग जुटते थे। इसका मकसद धर्मांतरण करवाना रहता था। ईडी की कार्रवाई में छांगुर नेटवर्क का एक अहम नाम सामने आया है। शहजादा, जो छांगुर का बेहद करीबी बताया जा रहा है। ईडी टीम ने गुरुवार सुबह मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित शहजादा के ठिकाने पर छापेमारी की।शुरुआती जांच में सामने आया है कि शहजादा के खाते में दो करोड़ रुपए की संदिग्ध रकम ट्रांसफर की गई थी। यह रकम बलरामपुर निवासी नवीन के जरिए पहुंची थी। ईडी को शक है कि यह पूरा लेनदेन धर्मांतरण नेटवर्क से जुड़ी हवाला फंडिंग का हिस्सा है। इस पैसे का इस्तेमाल छांगुर गिरोह की गतिविधियों को संचालित करने और धर्मांतरण के काम को फैलाने में किया गया। अब ईडी मुंबई से लेकर बलरामपुर तक इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुट गई है, जिससे अवैध कारोबार, मनी लॉन्ड्रिंग और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग की परतें खुल सकें।लखनऊ से ईडी टीमें 5 कारों में बलरामपुर पहुंची हैं। उतरौला के आसिपिया, हाशमी हुसैनी कलेक्शन, बाबा ताजुद्दीन कलेक्शन, मधुपुर गांव और रेहरा माफी गांव समेत 12 जगहों पर छापेमारी चल रही है। ईडी छांगुर बाबा के सहयोगी दुर्गेश के घर पर भी छापेमारी कर रही है। दरअसल, एटीएस की जांच में पता चला था कि दुर्गेश ने गलत तरीके से छांगुर को कई जमीनें बेची थीं। इन्हीं में से 3 बीघा जमीन पर छांगुर बाबा आलीशान बिल्डिंग बनवा रहा था, जिसमें डिग्री कॉलेज खोलने की योजना थी।सूत्रों के मुताबिक, ED की जांच में नीतू के नाम पर 8 बैंक खाते मिले हैं- बैंक ऑफ इंडिया, पेटीएम बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा (3 खाते), ICICI, HDFC, SBI~ जबकि नवीन के पास 6 खाते मिले हैं। पेटीएम बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा (2 खाते), ICICI, HDFC (2 खाते)। इन खातों से हवाला नेटवर्क के जरिए संदिग्ध ट्रांजैक्शन के सुराग मिले हैं। छांगुर बाबा के ट्रस्ट और कंपनियों के नाम पर भी 8 बैंक खाते मिले हैं। अस्वी इंटरप्राइजेज, अस्वी चैरिटेबल ट्रस्ट, बाबा ताज्जुद्दीन अस्वी बुटीक। इनमें करोड़ों रुपए की एंट्री दर्ज की गई है। इसके अलावा, UAE, दुबई और शारजाह में स्थित विदेशी बैंक खातों का भी पता चला है। इनमें एक्सिस बैंक, SBI, HDFC, एमिरेट्स NBD, फेडरल बैंक, अल अंसारी एक्सचेंज के जरिए भारत में विदेशी फंड भेजा।मूल रूप से चेन्नई की रहने वाली नीतू उर्फ नसरीन ने 2015 में नवीन (अब जमालुद्दीन) के साथ इस्लाम कबूल किया। लेकिन आज भी उनके दस्तावेजों में हिंदू नाम दर्ज हैं। पासपोर्ट, आधार, पैन और बैंक खातों में झूठे नामों का उपयोग हुआ है। भूमि खरीद और शपथ पत्रों में भी फर्जी पहचान का सहारा लिया गया।नीतू और नवीन के पास जो पासपोर्ट मिले हैं। उनकी वैधता समाप्त हो चुकी है। इससे पता चला है कि दोनों अब तक 19 बार दुबई की यात्रा कर चुके हैं। एक बार साथ गए, लेकिन लौटे अलग-अलग। छांगुर ने भी फर्जी पासपोर्ट से दुबई की यात्रा की थी, जहां वह धर्मांतरण नेटवर्क को संचालित करता था।इधर, ATS से जुड़े हमारे सोर्स ने बताया कि छांगुर ने लव जिहाद के लिए मुस्लिम युवकों की टीम तैयार की थी। 2023 से अब तक इस टीम में 1000 से 1500 लड़कों को इस काम के लिए पेमेंट दी गई। भारत में छांगुर का नेटवर्क यूपी के अलावा महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल, कर्नाटक और तमिलनाडु तक फैला हुआ है। गैंग का सबसे ज्यादा फोकस नेपाल सीमा से सटे 7 जिलों पीलीभीत, लखीमपुर, श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज पर है। जांच में पता चला है कि छांगुर ने धर्मांतरण के लिए अपने कोड वर्ड भी बनाए थे। इसमें ब्रेनवॉश करने को 'काजल लगाना', धर्म परिवर्तन को 'मिट्टी बदलना', नई लड़की के लिए 'नया केस' या प्रोजेक्ट, बाबा के सामने लड़कियों को लाने के लिए 'दीदार कराना' कहा जाता था। इन कोडवर्ड के जरिए छांगुर अपने लोगों से बात करता था, ताकि किसी बाहरी को पता न चले कि अंदर क्या हो रहा है। इस गिरोह का शिकार बन चुकीं ज्यादातर महिलाओं की उम्र 30 साल से कम है।

'प्रोफेसर सेक्शुअली हैरेस करते थे,शिकायत की तो प्रिंसिपल बोले-सबूत लेकर आओ',ओडिशा स्टूडेंट सुसाइड केस, पिता बोले-क्लास में बेइज्जती करते थे एचओडी

बालासोर। 'मेरी बेटी कॉलेज में एक प्रोफेसर से परेशान थी। उसने सेक्शुअल हैरेसमेंट और टॉर्चर करने की कई बार शिकायत की, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने कुछ नहीं किया। अप्रैल में उसकी दोस्त ने भी बताया था कि अपराजिता (बदला हुआ नाम) के साथ गलत हो रहा है। मैंने प्रिंसिपल से शिकायत की, लेकिन भरोसे के सिवा कुछ नहीं मिला। अगर एक्शन होता तो मेरी बेटी ने जान नहीं दी होती।' ओडिशा के बालासोर में 20 साल की अपराजिता ने कॉलेज कैंपस में 12 जुलाई को खुद को आग लगाई और 14 को दम तोड़ दिया। पिता का कहना है कि जांच और एक्शन वक्त पर होता तो शायद उनकी बेटी जिंदा होती।अपराजिता बालासोर के फकीर मोहन ऑटोनॉमस कॉलेज से बीएड कर रही थी। उसने अपने एचओडी समीर राजन साहू पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया था। विक्टिम ने कॉलेज प्रिंसिपल दिलीप कुमार घोष से लेकर इंटरनल कंप्लेंट कमेटी तक सभी से मामले की शिकायत भी की। पिता का आरोप है कि कॉलेज ने हर बार शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। प्रोफेसर समीर और प्रिंसिपल दिलीप ने ही अपराजिता को जान देने के लिए मजबूर किया। मामला तूल पकड़ता देख पुलिस ने घटना के दिन बाद ही आरोपी एचओडी समीर को

गिरफ्तार कर लिया। वहीं, 14 जुलाई को कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल दिलीप कुमार घोष को भी गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के विरोध में बीजू जनता दल जगह-जगह पर प्रदर्शन कर रहा है। दूसरी तरफ कांग्रेस भी सरकार को घेर रही है।हमने बालासोर पहुंचकर विक्टिम के परिवार से मुलाकात की और पूरा केस समझा। कॉलेज प्रबंधन से भी जानने की कोशिश की कि आखिर लापरवाही कहां हुई।हम जब विक्टिम के घर पहुंचे तो अपराजिता के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी। माहौल गमगीन था। अपराजिता के पिता महिला उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्लर्क हैं और भाई एमआर है। वह खुद बालासोर के फकीर मोहन कॉलेज से ?बीएड कर रही थी। पढ़ाई के साथ-साथ वो कई कॉलेजों में कराटे भी सिखाती थी। अपराजिता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से भी जुड़ी थी।पिता बताते हैं कि वो हमेशा से कुछ बड़ा करना चाहती थी। सरकारी नौकरी की भी तैयारी कर रही थी। उसने मुझसे वादा लिया था कि मैं उसे कभी शादी के लिए मजबूर नहीं करूंगा।*आगे की खबर पेज न. 07 पर..*

बिहार में 125 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी,चुनाव से पहले सीएम नीतीश का ऐलान,1 अगस्त 2025 से मिलेगा फायदा

पटना। बिहार के लोगों को 125 यूनिट बिजली मुफ्त में मिलेगी। साथ ही अगले तीन वर्षों में घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा का भी लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक्स पर इसका ऐलान किया। सीएम ने एक्स पर बताया- 'हम लोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से,यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा।''इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा। हमने यह भी तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा।' 'कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे उनके लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी, बाकी के लिए भी सरकार उचित सहयोग करेगी।' 'इससे घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली का 125 यूनिट तक कोई खर्च नहीं लगेगा, साथ ही साथ राज्य में अगले तीन वर्षों में एक अनुमान के अनुसार 10 हजार मेगावाट तक सौर ऊर्जा उपलब्ध हो जाएगी।'1. 5 साल में 1 करोड़ नौकरियां और रोजगार देगी सरकार बिहार सरकार ने फैसला किया है कि आने वाले 5 सालों (2025 से 2030 तक) में 1 करोड़ नई नौकरियां और रोजगार के मौके बनाए जाएंगे। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाएगी, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त करेंगे। यह समिति देखेगी कि रोजगार बढ़ाने के लिए और क्या-क्या किया जा सकता है और सरकार को सलाह देगी। इससे राज्य के युवाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग बढ़ने से राज्य में निवेश के नए अवसर भी आएंगे। बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन में *आगे की खबर पेज न. 07 पर.*

सड़कों पर अंतिम संस्कार, 75 जिलों में अलर्ट,4 जिलों में स्कूल बंद, प्रयागराज में 5 लाख आबादी पानी से घिरी; बारिश-बाढ़ से हालात बिगड़े

प्रयागराज। यूपी में लगातार बारिश और बाढ़ से हालत बिगड़ने लगे हैं। प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर हैं। नदियों के आसपास के 15 से ज्यादा मोहल्लों की 5 लाख की आबादी पानी से घिर गई है। श्मशान घाट में पानी भर गया है। सड़कों पर अंतिम संस्कार किया जा रहा। इधर, वाराणसी में सभी 84 घाट नदी में जलमग्न हो चुके हैं। घाट किनारे के 1 हजार मंदिर भी डूब चुके हैं। गंगा खतरे के निशान से सिर्फ 1.56 मीटर दूर है। भारी बारिश के चलते मिर्जापुर, जौनपुर और सोनभद्र में स्कूल बंद कर दिए हैं। प्रयागराज में भी कई इलाकों में स्कूलों की छुट?टी कर दी गई है। काशी, प्रयागराज, लखनऊ समेत 10 शहरों में आज सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने गुरुवार को 26 जिलों में बहुत भारी बारिश और 49 जिलों में भारी बारिश यानी पूरे 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवाएं चल सकती हैं। बिजली गिरने की संभावना भी है।कल यानी बुधवार की बात की जाए तो प्रदेश के 56 जिलों में 14.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। यह सामान्य 9.5 मिमी से 53फीसदी ज्यादा है। सबसे ज्यादा 78 मिमी बारिश वाराणसी में हुई। वहीं, 1 जून से 16 जुलाई तक यूपी में कुल 252.5 मिमी बारिश हुई, जो नॉर्मल 238.9 मिमी से 6फीसदी अधिक है। यानी, प्रदेश में मानसूनी बारिश अच्छी हो रही है।प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर हैं। दारागंज श्मशान घाट पर पानी भर गया है। अभी भी तेज बहाव है। ऐसे में शवों का अंतिम संस्कार श्मशान घाट पर बंद कर दिया गया है। मजबूरी की वजह से शवों का अंतिम संस्कार दारागंज से संगम जाने वाली सड़क यानी मोरी रोड पर किया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री नंदी व पूर्व मेयर अभिलाषा गुप्ता का मोबाइल हैक,साइबर ठगों ने मांगे 65 हजार रुपए,दर्ज कराई शिकायत

प्रयागराज। साइबर अपराधियों ने उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' की पत्नी और पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता को निशाना बना लिया। साइबर अपराधियों ने उनके मोबाइल और वॉट्सऐप हैक कर लिया।इसके बाद उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर रिश्तेदारों और शुभचिंतकों को पैसे भेजने के मैसेज किए गए। पीड़िता की शिकायत पर साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।कोतवाली थाना क्षेत्र के बक्शीबंद मोहल्ला निवासी अभिलाषा गुप्ता दो बार महापौर रह चुकी हैं। उन्होंने बताया कि उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद को 'ब्लू डॉट कोरियर' का कर्मचारी बताते हुए पार्सल डिलीवरी के बहाने लोकेशन भेजने के लिए कहा। इसके बाद अभिलाषा के मोबाइल पर एक टेक्स्ट मैसेज आया और कुछ ही देर में उनका वॉट्सऐप बंद हो गया। मोबाइल भी फार्मेट हो चुका था।इसके कुछ ही समय बाद, परिचितों ने उन्हें जानकारी दी कि उनके वॉट्सऐप नंबर से पैसे मांगने वाला मैसेज आ रहा है। एक मैसेज में लिखा था, 'मैडम बहुत परेशान हैं। उनके पास केवल 55 हजार रुपए हैं। 65 हजार रुपए भेज दीजिए।' मैसेज जिस नंबर से भेजा गया, उसमें अभिलाषा की तस्वीर और प्रोफाइल नाम 'नंदी गुप्ता' दिख रहा था।पीड़ित पूर्व मेयर ने शुभचिंतकों से पैसे मांगने की बात सामने आते ही साइबर थाने में तहरीर दी। थाना प्रभारी राजीव तिवारी के मुताबिक, एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जिन नंबरों से ठगी की गई, उन्हें ट्रेस किया जा रहा है।

छठवीं कक्षा के छात्र ने आठवीं कक्षा के छात्र पर चाकू से हमला

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा स्थित एक निजी स्कूल में छठवीं कक्षा के छात्र ने आठवीं कक्षा के छात्र पर चाकू से हमला कर दिया। घटना बुधवार सुबह लंच टाइम के दौरान हुई। पीड़ित छात्र अपने दोस्तों से बात कर रहा था। इसी दौरान छठवीं कक्षा का छात्र वहां आया और गाली- गलौज करने लगा। पीड़ित ने जब प्रिंसिपल से शिकायत करने की बात कही तो आरोपी ने अपने बैग से चाकू निकालकर हमला कर दिया। घायल छात्र को तुरंत पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी स्थिति अब खतरे से बाहर है। पीड़ित हरवारा का रहने वाला है। उसके पिता हनुमानगंज स्थित एक इंटर कॉलेज में कार्यरत हैं।परिजनों के अनुसार, आरोपी छात्र का दो दिन पहले ही स्कूल में एडमिशन हुआ था। उसी दिन पीड़ित से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बुधवार को इसी रंजिश में उसने हमला किया। पुलिस ने पीड़ित की मां की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी छात्र की तलाश जारी है। पुलिस स्कूल प्रबंधन से भी पूछताछ कर सुरक्षा में हुई चूक की जांच कर रही है।

वाराणसी नगर-निगम को मिला एक्यूआई में देश में पहला स्थान,प्रयागराज और वाराणसी को 100 में से 100 अंक,एनसीएपी ने जारी की मूल्यांकन रिपोर्ट

प्रयागराज। वाराणसी नगर निगम ने नया कीर्तिमान रचा है। नगर निगम को एयर क्वालिटी इंडेक्स/वायु गुणवत्ता सूचकांक के तहत स्वच्छ वायु में पूरे देश में 100 में से 100 अंक मिले हैं। वह प्रयागराज के साथ देश में पहले स्थान पर है। इस उपलब्धि पर महापौर और नगर आयुक्त ने सभी शहरवासियों को बधाई दी है। नगर आयुक्त ने कहा यह उपलब्धि नगर निगम, नागरिकों और विभिन्न विभागों के सामूहिक प्रयासों का नतीजा है। शहरी पर्यावरण प्रबंधन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भारत सरकार द्वारा वाराणसी को पूर्ण रूप से 100 अंक प्रदान किए गए हैं। हमारे काम की सफलता है ये अंक नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बताया- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम एनसीएपी के तहत जारी नवीनतम मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार वाराणसी और प्रयागराज देश में केवल दो ऐसे शहर हैं जिन्हें 100 में से 100 अंक प्राप्त हुए हैं। जो निरंतर प्रदूषण नियंत्रण उपायों की सफलता को दर्शाता है। यह मूल्यांकन 10 लाख से अधिक वाले शहरों में किए गए परीक्षण के बाद उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा यह कीर्तिमान वाराणसी को स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाने की दिशा में एक प्रेरक कदम है। नगर आयुक्त ने बताया वाराणसी कि आबोहवा ठीक करने के लिए वाराणसी नगर निगम के द्वारा सड़कों की सफाई की है। डिवाइडरों को साफ किया गया है। और शहर में अत्यधिक की संख्या में पेड़ लगाकर जंगल बनाने का काम किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने यह भी कहा कि नगर निगम ने जहां पर ट्रैफिक के लिए भीड़भाड़ वाला 21 स्थान चिह्नित थे। उन स्थानों पर विगत कुछ समय से अतिक्रमण हटाने तथा वहां पर नियमित सफाई किया गया है, जिससे प्रदूषण में कमी हो सके। इस उपलब्धि पर महापौर अशोक कुमार तिवारी ने शहरवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सभी के सहयोग और जागरूकता का परिणाम है। सभी नागरिकों से अपील की गई कि इसी तरह स्वच्छता और हरियाली बनाए रखने में अपनी भागीदारी निभाते रहें तथा एक पेड़ मां के नाम सभी लोग वृक्ष लगाए जिससे आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण में लाभ प्राप्त हो।

पीसीएस ज्योति के पति को कभी झाड़ू लगाते नहीं देखा,गांव वालों का दावा, बोले- सिर्फ प्रधान के घर आकर हाजिरी लगाते हैं

प्रयागराज। यूपी की चर्चित पीसीएस अफसर ज्योति मौर्या और उनके सफाईकर्मी पति आलोक मौर्या एक बार फिर सुर्खियों में हैं। आलोक ने अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति का हवाला देकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। इसमें अफसर पत्नी से गुजारा भत्ता दिलाने की मांग की है। कोर्ट ने ज्योति मौर्या को नोटिस जारी कर 8 अगस्त को सुनवाई करने का फैसला किया है। उन्होंने मीडिया से दूरी बना रखी है। वह जिस गोगौर गांव में सफाईकर्मी हैं, गांववालों से बात करने पर पता चला की यह गांव प्रतापगढ़ के बिहार विकास खंड में आता है। गांववालों का कहना है- आलोक के हाथ में कभी फावड़ा-झाड़ू नहीं देखी। गांव की नालियां बजबजा रही हैं। वह सिर्फ प्रधान के घर आते हैं, हफ्तेभर की हाजिरी लगाकर चले जाते हैं। आलोक मौर्या बतौर सफाईकर्मी साल 2009 से इसी गांव में तैनात हैं। प्रयागराज मुख्यालय से करीब 39 किमी दूर प्रतापगढ़ जिले के बिहार विकास खंड में गोगौर गांव है। यहां की जनसंख्या ज्यादा नहीं है। इस वजह से यहां पर एक ही सफाई कर्मचारी की तैनाती की गई है। गांव की सड़कें पक्की हैं। सड़क के बगल में लोगों के खेत हैं। वहां कुछ लोग काम करते दिखे। गांव बहुत ज्यादा पिछड़ा नहीं है, विकास के काम हुए हैं। आलोक मौर्या का नाम सुनते ही गांववालों में गंदगी को लेकर गुस्सा दिखा। कुछ कहने से पहले उन्होंने हमें गांव के हालात और बजबजाती नालियों को दिखाया। कहा- हमने कभी आलोक को गांव में सफाई करते नहीं देखा। पूर्व प्रधान प्रतिनिधि अरविंद पांडेय कहते हैं- आलोक मौर्या की जॉइनिंग गांव में कैसे हुई? आजमगढ़ का व्यक्ति कैसे यहां सफाईकर्मी बना? इसकी जानकारी हमें तो नहीं है। लेकिन, यह सच है कि आलोक मौर्या हमारे ही गांव के सफाईकर्मी हैं। वह ज्यादातर समय ब्लॉक में ही दिखाई देते हैं। कभी-कभार आ गए तो ठीक, वर्ना

ब्लॉक से ही लौटकर प्रयागराज चले जाते हैं। आलोक मौर्या की पीसीएस पत्नी के सवाल पर उन्होंने इसे निजी मामला बता कर कुछ भी कहने से मना कर दिया। दिनेश कुमार ने कहा- मैंने न्यूज में देखा और सुना है कि हमारे गांव के सफाईकर्मी आलोक की पत्नी एसडीएम है। उनका विवाद भी चल रहा है। गांव की गंदगी और बजबजाती नाली की तरफ इशारा करते हुए कहा कि हम लोग खुद साफ करें, तभी सफाई होती है। आलोक कभी सफाई करने नहीं आते। इतनी गंदगी में नाली से बहुत ज्यादा बदबू आती है। इतनी बदबू में कोई नहीं रह सकता। ऊपर से बीमारियों का खतरा अलग बढ़ जाता है। राम कैलाश ने कहा- गांव के हालात आप खुद देख लीजिए, नाली और सड़क कैसे हैं। अभी आलोक को गांव के दो-चार लोगों ने ही देखा होगा। पत्नी के एसडीएम होने की बात पर उन्होंने कहा कि समाचार में देखा-सुना है कि उनका विवाद चल रहा है। संजय कुमार ने कहा कि आलोक गांव के चौराहे पर कभी-कभार बाइक से आते दिख जाते हैं। उन्हें गांव में सफाई करते या फावड़ा चलाते कभी नहीं देखा। राज कुमार तिवारी ने कहा- हम आलोक मौर्या को अच्छे से जानते हैं। वह खुद को सफाईकर्मी नहीं, बल्कि बीएलओ बताते हैं। एक बार हमने उन्हें बताया कि वह गांव के सफाईकर्मी हैं तो उन्होंने पूरे विश्वास के कहा कि सफाईकर्मी नहीं, बीएलओ हूं। विजय कुमार ने कहा- मैंने आलोक मौर्या के हाथ में कलम जरूर देखी है। वह गांव में कम, ब्लॉक में ज्यादा रहते हैं। इसके अलावा अब उनकी पत्नी से विवाद के बाद वह ज्यादातर समय विवाद में ही उलझे रहते हैं। इसके चलते गांव के मौजूदा प्रधान उनकी भरपूर मदद करते हैं। वह गांव में सप्ताह में एक दिन चौराहे पर आ गए या फिर प्रधान के घर आ गए। फिर पूरे सप्ताह की हाजिरी भरकर सफाईकर्मी की पूरी सैलरी 47,500 रुपए उठा रहे हैं।आलोक मौर्या के एडवोकेट गौरव त्रिपाठी ने बताया- मेरे मुवक्किल की पत्नी ज्योति मौर्या ने उनसे तलाक लेने की अर्जी दाखिल की। आलोक तलाक के मुकदमे में कानूनी लड़ाई लड़ने की हालत में नहीं है। इसके चलते उसे अफसर पत्नी से गुजारा भत्ता (मेंटेनेंस) दिलाया जाए। आलोक मौर्य की मांग को जिला अदालत ने खारिज कर दिया था।इसके बाद मैंने अपने मुवक्किल आलोक मौर्या की तरफ से गुजारा भत्ता के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। वहीं, ज्योति मौर्या ने हमसे फोन पर कहा- आलोक खुद सरकारी नौकरी में है। मैं 2 बच्चों को लेकर रहती हूं। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च भी मैं ही देती हूं। उन्हें किस बात का भत्ता चाहिए। मैं अपनी बात कोर्ट में रखूंगी। ज्योति-आलोक की शादी 2010 में हुई थी। ज्योति वाराणसी, जबकि आलोक मौर्या मूल रूप से आजमगढ़ का रहने वाला है। प्रयागराज में इन दिनों रहता है। ज्योति मौर्या अभी लखनऊ में शुगर मील में जीएम हैं। 2009 में आलोक का चयन पंचायती राज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हो गया था। पोस्टिंग प्रतापगढ़ में हुई। आलोक का दावा है कि शादी के बाद उन्होंने ज्योति को पढ़ाया-लिखाया। प्रयागराज में कोचिंग कराई। 2015 में ज्योति का चयन यूपी पीसीएस में हो गया। ज्योति की महिलाओं में तीसरी और ओवरऑल 16वीं रैंक थी। परिवार में सभी लोग बहुत खुश थे। 2015 में जुड़वां बच्चियां हुईं। 2020 तक सब कुछ ठीक चला।पति आलोक ने तब बताया था- 2020 में ज्योति की जान-पहचान जिला कमांडेंट होमगार्ड मनीष दुबे से हुई। दोनों में बातचीत होने लगी।

2022 में एक बार घर के मोबाइल में अपना फेसबुक लॉगिन करके ज्योति भूल गईं। दोनों के बीच अश्लील चैट थी। इसे देखकर मेरा माथा ठनका। आलोक ने कहा कि जब मैंने इसका विरोध किया, तो लड़ने-झगड़ने और जेल भिजवाने की धमकी देने लगी। आलोक ने दावा किया था कि 22 दिसंबर 2022 को दोनों (ज्योति-मनीष) को होटल मैरियट, लखनऊ में रंगे हाथ पकड़ लिया था। फिर सफाई देने लायक कुछ नहीं बचा। विरोध करने पर दोनों ने हमला कर दिया। मैं वहां से जान बचाकर भागा। आलोक ने कहा था कि थोड़े दिन बाद ज्योति ने फोन करके धमकाया था कि स्वेच्छा से तलाक दे दो, नहीं तो जान से मार देंगे। वह आए दिन मुझे रेप केस में फंसाने की धमकी देती थी। मेरे खिलाफ धूमनगंज थाने में फर्जी दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया।

संगमनगरी में प्रदेश के पहले बायो सीएनजी प्लांट की शुरुआत,153 करोड़ की लागत से बना अपग्रेटेड प्लांट, सालाना होगी 53 लाख की कमाई

प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के अरैल स्थित उत्तर प्रदेश के पहले बायो-सीएनजी प्लांट की बुधवार को शुरुआत हो गई। पहले ही दिन नगर निगम की ओर से 18 से 20 टन गीला कचरा पहुंचाया गया। जिसकी प्रोसेसिंग शुरू हो गई। इसमें मुख्य रूप से किचन और रेस्टोरेंट वेस्ट मटेरियल शामिल था। इस मौके पर परियोजना प्रमुख हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में यहां प्रतिदिन 100 टन तक गीला कचरा पहुंचने लगेगा। प्रयागराज शहर से निकलने वाला सारा गीला कचरा अब सीधे इसी प्लांट में भेजा जाएगा। बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्लांट में नगर निगम के सहयोग से 2100 पौधे भी लगाए जाएंगे। पहली प्रक्रिया में कचरे को ट्रामिल मशीन में डाला गया, जहां उसकी छंटाई की गई और लुगदी तैयार की गई। इसके बाद इस लुगदी को विभिन्न मशीनों में प्रोसेस करते हुए बायो-सीएनजी उत्पादन के लिए तैयार किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में उच्च गुणवत्ता की विदेशी मशीनें लगाई गई हैं, जो प्लांट की दक्षता को सुनिश्चित करती हैं।इस मौके पर नगर आयुक्त साईं तेजा ने बताया कि शहरवासियों से अपील की गई है कि वह गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें और डोर-टू-डोर कलेक्शन करने वाली एजेंसियों को अलग-अलग सौंपें। इसके लिए एजेंसियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए गए हैं कि गीले कचरे के अलग संग्रहण को प्राथमिकता दी जाए। 343 टिपिडी की विशाल क्षमता, हर दिन बनेगी बायो-सीएनजी और जैविक खाद,

बायो-सीएनजी प्लांट की कुल क्षमता 343 टन प्रतिदिन (टिपिडी) है। यह प्रतिदिन लगभग 21.5 टन गैस, 109 टन ठोस जैविक खाद और 100 टन तरल जैविक खाद का उत्पादन करेगा। प्रथम चरण में 200 टन क्षमता के गीले कचरे से गैस बनाने का कार्य शुरू हो चुका है, जबकि शेष 143 टन क्षमता धान के पुआल और गोबर से गैस उत्पादन के लिए विकसित की जा रही है। प्रयागराज नगर निगम के पर्यावरण अभियंता उत्तम वर्मा ने बताया कि इस प्लांट से प्रतिवर्ष लगभग 53 लाख की आय अर्जित होगी। यह कमाई उस कचरे से होगी जिसे पहले अनुपयोगी समझकर फेंक दिया जाता था। अब यही फल-सब्जी के छिलके, जूठन और फूल-फूलों का कचरा प्रतिदिन 8900 किलो बायो-सीएनजी और 109 टन खाद में बदला जाएगा। पीपीपी मॉडल पर किया गया निर्माण, 12.49 एकड़ भूमि नगर निगम ने दी- परियोजना का संचालन पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर किया गया है। प्रयागराज नगर निगम ने इसके लिए नैनी के जहांगीराबाद में 12.49 एकड़ भूमि दी है। प्लांट का संचालन 'एवर एनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड' कर रही है। कंपनी और नगर निगम के बीच 25 वर्षों का अनुबंध किया गया है। परियोजना प्रमुख हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि प्लांट की शुरुआत में प्रतिदिन 30 टन गोबर डाला जाएगा, जिससे एक्टिव बैक्टीरिया उत्पन्न होंगे जो कचरे को पचाकर गैस बनाने की प्रक्रिया को गति देंगे। लगभग 40-45 दिनों में यह प्रक्रिया स्थायी रूप से चलने लगेगी, जिसके बाद रोजाना गोबर की आवश्यकता नहीं होगी। बायो-सीएनजी बनाने की प्रक्रिया- 1. नगर निगम की गाड़ियां घर-घर जाकर गीला-सूखा कचरा एकत्र करती हैं। 2. गीले कचरे को प्लांट तक पहुंचाकर एकत्रित किया जाता है। 3. जेसीबी मशीन से कचरे को ट्रामिल मशीन में डाला जाता है, जहां उसकी छंटाई की जाती है। 4. इसके बाद हैमर मिल मशीन से कचरे को क्रश कर लुगदी बनाई जाती है।5. लुगदी को फीड टैंक और फिर डाइजेस्टर में डाला जाता है, जहां एक्टिव स्लरी या गोबर मिलाकर बैक्टीरिया तैयार किए जाते हैं। 6. डाइजेशन पूरा होने के बाद रॉ बायोगैस तैयार होती है। 7. गैस को वीपीएसए सिस्टम से साफ कर बायो-सीएनजी और सीओ2 को अलग किया जाता है। 8. तैयार बायो-सीएनजी को इंडियन ऑयल अडानी गैस लिमिटेड को बेचा जाएगा।9. ठोस और तरल जैविक खाद को पैक कर कृषि कार्यों में बेचा जाएगा। दो चरणों में पूरा होगा प्लांट, 21.5 टन प्रतिदिन सीएनजी उत्पादन का लक्ष्य- इस बायो-सीएनजी प्लांट को दो चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण में दो डाइजेस्टर लगाए गए हैं, जो 200 टन गीले कचरे से प्रतिदिन 8.9 टन गैस का उत्पादन करेंगे। दूसरे चरण में शेष 13.2 टन बायो-एन्ड का उत्पादन किया जाएगा। इस परियोजना से हर साल लगभग 56700 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी। यह प्लांट न केवल लैंडफिल में जाने वाले कचरे को घटाएगा, बल्कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करके वायु गुणवत्ता सुधार की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इस प्लांट के संचालन से लगभग 200 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। 40 लोग सीधे प्लांट में कार्यरत होंगे जबकि 150 से अधिक लोग अप्रत्यक्ष रूप से इसमें शामिल होंगे। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

रुपए लेकर बन रहे फर्जी मेडिकल प्रयागराज में,डीएम ने डॉक्टरों के खिलाफ दिए एफआईआर के आदेश, जांच के लिए सीएमओ की टीम गठित

प्रयागराज। रुपए लेकर फर्जी मेडिकल बनाए जाने का मामला सामने आ रहा है। जिलाधिकारी ने इस मामले को संज्ञान लिया है। ऐसा करने वाले सोरांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कुछ डॉक्टरों के नाम भी सामने आए हैं। इस पर डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया है। साथ ही सीएमओ डॉ. एके तिवारी को निर्देशित किया है कि इस मामले की जांच कर तीन दिन के अंदर रिपोर्ट दें। इसके लिए तीन सदस्यीय टीम भी जिलाधिकारी की ओर से बना दी गई है। इसमें एडीएम सिटी, सीएमओ व एसीएम फर्स्ट हैं। जिलाधिकारी ने जांच समिति को जनपद के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के द्वारा किए गए मेडिकल की क्रास चेकिंग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 5 दिन में

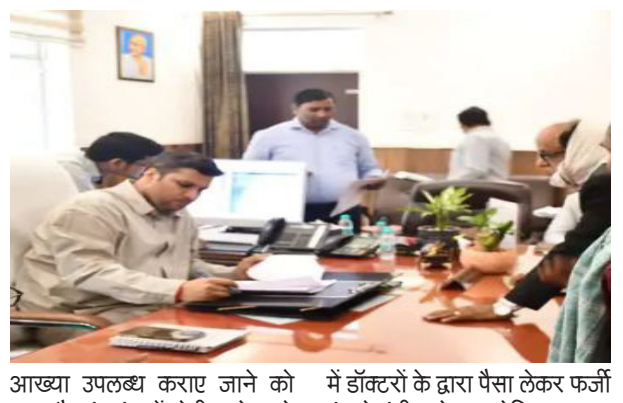

आख्या उपलब्ध कराए जाने को कहा है एवं जांच में दोषी पाये जाने पर संबंधित चिकित्सकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए भी निर्देशित किया है। भारतीय किसान यूनियन (अरानै) के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे के द्वारा भी तहसील सोरांव के सीएचसी और पीएचसी में डॉक्टरों के द्वारा पैसा लेकर फर्जी ढंग से गंभीर चोट का मेडिकल बनाए जाने एवं इसके साथ ही साथ अवैध ढंग से पैसा लेकर जिला अस्पताल के लिए रेफर किए जाने की शिकायत की गई थी। यह था पूरा मामला सोरांव तहसील के बारी गांव निवासी धनंजय पांडेय ने जिलाधिकारी से शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि गांव के प्रधानपति जंग बहादुर पटेल के द्वारा कई लोगों के साथ मिलकर उसके घर पर चढ़कर लाढ़ी-डंडे और कुल्हाड़ी से मारपीट किया गया। इसके बाद प्रधानपति के खिलाफ फाफामऊ थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। इसके बाद प्रधानपति ने फर्जी एवं सुनियोजित षडयंत्र रचकर अपने ही भतीजे अविनाश पटेल के सिर में फर्जी चीरा एवं चोट बनाकर मेरे व मेरे परिवार के ऊपर थाना फाफामऊ में विभिन्न धाराओं में फर्जी ढंग से मुकदमा पंजीकृत करा दिया गया। सीएचसी सोरांव के डॉक्टरों को अनुचित धनलाभ देकर जिला अस्पताल के लिए फर्जी मेडिकल कराने के लिए रेफर भी करा दिया गया।

टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय धावक की चुनौती,100 मीटर में बोल्ट के 9.8 सेकंड के रिकॉर्ड ब्रेक की तैयारी

प्रयागराज। टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के धावक बजरंग पांडेय की नजरें उसैन बोल्ट के रिकॉर्ड पर टिकी हैं। चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक जापान की राजधानी में आयोजित होगी। प्रयागराज के मेजा क्षेत्र के निवासी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बजरंग पांडेय ने हाल ही में ट्रायल में 100 मीटर की दौड़ 10.15 सेकंड में पूरी की। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में अपनी जगह पक्की कर ली है। उनका लक्ष्य उसैन बोल्ट के 9.8 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ना है। इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व नीरज चोपड़ा, बजरंग पांडेय, अनिमेश और मानिकांता गुरुविंदर सिंह करेंगे। क्षेत्र के लोगों को बजरंग से काफी उम्मीदें हैं। वह लगातार अभ्यास कर रहे हैं और चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मेजा क्षेत्र के सिंहपुर गांव के बजरंग पाण्डेय ने फ्रांस में आयोजित अंतराष्ट्रीय स्पोर्ट्स खेल प्रतियोगिता में 100 मीटर की दौड़ में 10.17 सेकेंड का समय देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बजरंग व उनकी माता का सपना है उसैन बोल्ट का रिकार्ड तोड़ना है। जिसके लिए बजरंग पाण्डेय दिन रात मेहनत कर रहे हैं। बजरंग पांडे एक अंतर्राष्ट्रीय एथलीट हैं। जो 100 मीटर दौड़ में विशेषज्ञता रखते हैं। उन्होंने 2024 ओलंपिक के लिए भारत की ओर से चयन किया गया था। उन्होंने फ्रांस में एक स्वर्ण पदक जीता है, जो एक प्रतिष्ठित उपलब्धि है।बजरंग पांडे को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी सम्मानित किया गया है और उन्हें भारतीय सेवा में सूबेदार के पद पर खेल कोटा के माध्यम से नियुक्ति मिली है। वे वर्तमान में सेवा में कार्यरत हैं। बजरंग की माता आरती पाण्डेय व पिता राजेश पाण्डेय जो की क्षेत्र में चाय की दुकान पर चाय बेचते थे। आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर भी बजरंग ने कभी हार नहीं मानी। बजरंग 2022 में आयोजित कामनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद 2024 में यूथ ओलंपिक में चयन हुआ जिसमें 50 कन्ट्री आयी हुई थी। फाइनल में पहुंचकर गोल्ड मेडल जीता। 2025 में आयोजित लॉज ऐन्जिस यूएसए में बजरंग का ट्रायल निकल गया और एशियन गेम्स में सेलेक्शन किया गया है।

हंडिया में आंधी से नीम का पेड़ टीन शेड पर गिरा, सो रहे पूर्व प्रधान की मौत

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र की उस्मापुर गांव में गुरुवार सुबह एक दुखद घटना सामने आई। तेज बारिश और तूफान के दौरान एक नीम का पेड़ टीन शेड पर गिर गया। इस हादसे में टीन शेड में सो रहे 70 वर्षीय पूर्व प्रधान श्याम लाल यादव की मौत हो गई। श्याम लाल यादव किसानी करते थे। वे रोज की तरह शाम को खाना खाकर घर के पास टीन शेड में सोने गए थे। सुबह तेज बारिश और आंधी-तूफान के कारण नीम का पेड़ टीन शेड पर गिर गया। पेड़ गिरने की आवाज सुनकर परिजनों ने शोर मचाया। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से मलबे को हटाकर श्याम लाल को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक दो भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके तीन बेटे राम रूप, हंसराज और बंशराज हैं। पूर्व प्रधान की अचानक मौत से पूरा गांव सदमे में है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस संबंध में चौकी इंचार्ज सैदाबाद गौरव तिवारी से वार्ता हुई उनका कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया है। अन्य परिवार के सदस्य सुरक्षित हैं शांति व्यवस्था कायम है।

प्रयागराज में 11000 वोल्ट का तार टूटकर गिरा,खेतों और रास्तों में बिखरे वायर,अनहोनी के दर से ग्रामीण घरों में कैद

प्रयागराज। फूलपुर तहसील के कोटवा उपखंड के मई और देवकली गांव

में एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। यहां 11000 वोल्ट का हाई वोल्टेज तार टूटकर जमीन पर गिर गया है। इस घटना में बिजली का पोल भी क्षतिग्रस्त हो गया है। तार खेतों और रास्तों में बिखरे पड़े हैं। बिजली आने पर इन तारों में करंट दौड़ने लगता है। इस स्थिति के कारण ग्रामीणों में भय का माहौल है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, करंट के खतरे से बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। लोग अपने मवेशियों को भी घर से बाहर नहीं निकाल रहे हैं। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को कई बार सूचना दी है। लेकिन अब तक कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा है। विभाग की इस लापरवाही से कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि बिजली आपूर्ति तत्काल बंद कर तारों की मरम्मत की जाए। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। विभाग की सुस्त प्रतिक्रिया से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में हल्का जेई से वार्ता हुई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जल्द ही टीम भेज कर समस्या का समाधान कराया जाएगा। ट्रांसफार्मर से वहां की सप्लाई काट दी गई है करंट का कोई खतरा नहीं है।

मुंबई से अपहृत व्यवसायी प्रयागराज एसटीएफ ने किया बरामद,बांदा से 3 आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। एसटीएफ यूनिट ने अंतरराज्यीय अपराध पर बड़ी सफलता हासिल करते हुए मुंबई से अपहृत रियल स्टेट व्यवसायी को सकुशल बरामद कर लिया है। साथ ही अपहरण में शामिल तीन शातिर अपराधियों को बांदा जनपद से गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई एसटीएफ प्रयागराज फील्ड यूनिट के कुशल पर्यवेक्षण में की गई। मामला मुंबई के ओशिवरा थाना क्षेत्र का है, जहां 12 जून 2025 को व्यवसायी साजिद का पैसों के लेनदेन के विवाद में अपहरण कर लिया गया था। मुंबई पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर संख्या 794/2025 दर्ज की थी और उत्तर प्रदेश एसटीएफ से सहयोग मांगा। इस पर एसटीएफ प्रयागराज के पुलिस उपाधीक्षक श्री शैलेश प्रताप सिंह व निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जांच के दौरान सुरागों के आधार पर प्रयागराज व मुंबई की संयुक्त टीम ने 16 जुलाई 2025 को बांदा जिले के कालू कुआं क्षेत्र में दबिश देकर तीन अभियुक्त, सरवर खान उर्फ इश्तियाक, महताब (प्रतापगढ़) और राहुल रघुनाथ सावंत (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार कर लिया और अपहृत साजिद को सकुशल मुक्त कराया। पूछताछ में सरवर खान ने कबूला कि उसने साजिद को 50 लाख रुपये उधार दिए थे, जो वापस नहीं मिले। इसी कारण उसने साथियों के साथ मिलकर अपहरण की योजना बनाई। फिरौती मिलने के बावजूद साजिद को दिल्ली, आगरा, कानपुर व बांदा में छिपाकर प्रताड़ित किया गया। गौरतलब है कि इस ऑपरेशन में प्रयागराज एसटीएफ की टीम की अहम भूमिका रही, जिसने राज्य की सीमाओं से बाहर जाकर संगठित अपराध के खिलाफ सटीक रणनीति के साथ कार्रवाई की। तीनों अभियुक्तों को कानूनी प्रक्रिया के तहत मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया है। यह सफलता प्रयागराज एसटीएफ की तत्परता और दक्षता का बड़ा उदाहरण है।

घर से निकले युवक का मिला शव,दादा बोले-मेरा इकलौता प्यारा नाती था

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के पाठकपुर में 17 वर्षीय करन आदिवासी की संदिग्ध हालात में मौत से हड़कंप मच गया। सुबह करीब चार बजे करन घर से निकला था, लेकिन वह घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से खोजबीन शुरू की, तो घर से कुछ ही दूरी पर एक गड्ढे में उसका शव तैरता मिला। शव देखते ही मौके पर भीड़ जुट गई और गांव में मातम पसर गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे हादसा मान रही है, हालांकि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। करन के पिता रामस्वरूप मुंबई में गार्ड की नौकरी करते हैं। बेटे की मौत की खबर सुनते ही वह बेहोश हो गए। करन घर का इकलौता बेटा था और अपनी मां के साथ खेती-बारी और मजदूरी कर घर चलाने में हाथ बंटाता था।दादा रमापति रोते हुए बोले, 'मेरा इकलौता लाडला नाती था। मुझे ठीक से दिखाई नहीं देता था, रात-बिरात वही हर जगह ले जाता था। अब सब कुछ खत्म हो गया। मेरा बेटा भी अकेला और उसका इकलौता बेटा भी चला गया। सबका सहारा छिन गया।' इतना कहते हुए रमापति फफक कर रोने लगे। इस दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को सदमे में डाल दिया है। करन के पड़ोसियों का कहना है कि वह बेहद होनहार और जिम्मेदार लड़का था। फिलहाल पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी है और जल्द ही मौत के कारणों का खुलासा होने की बात कह रही है।

बड़ा पूर्व विद्यालय के मर्जर से ग्रामीण एवं शिक्षक लामबंद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कुमार ने विद्यालयों के मर्ज किए की प्रक्रिया पर पुनर्विचार किया

रायबरेली ।दीन शाह गौरा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बड़ा पुरवा को 2 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मुरेठी के प्राथमिक विद्यालय के साथ सम्बद्ध कर दिया गया है। इसके विरोध में ग्राम वासियों ने प्राथमिक शिक्षक संघ की दीनशाह गौरा इकाई के अध्यक्ष शैलेश पांडे के नेतृत्व में संवाद आयोजित किया।इस अवसर पर बोलते हुए महामंत्री अखिलेश जाने की प्रक्रिया का कड़ा विरोध किया. शैलेश पांडे ने कहा की छोटे-छोटे बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए 2 किलोमीटर दूर पैदल चलकर जाना पड़ेगा। बारिश धूप और सर्दी में नौनिहालों को भारी परेशानी होगी। इससे कुछ अभिभावक अपने बच्चों को इतनी दूर के विद्यालय में भेजने से कतराएंगे। उन्होंने शासन से मांग की कि विद्यालय मर्ज करने जाए।जनपदीय पर्यवेक्षक एवं जिला कोषाध्यक्ष यादवेंद्र प्रताप सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी रोहित कुमार,सर्वेंद्र सिंह,, मंजुल कृष्णा, अरुण गौतम, रमेश यादव, धीरेंद्र सिंह दीनू सिंह,नितिन सोनी,मंजू सिंह, राहुल द्विवेदी सहित तमाम ग्रामवासी उपस्थित थे।

जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में आयोजित हुआ एक्सपर्ट सेशन-छात्रों को दिए कॉर्पोरेट दुनिया में प्रवेश के मंत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जीएल बजाज इंस्टिट्यूट

ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने एक प्रेरणादायक विशेषज्ञ वार्ता सत्र का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे डब्ल्यूएनएस ग्लोबल सर्विसेज के इंडिया कैंपस हेड, रोहन सूदन ने विद्यार्थियों को कैंपस से कॉर्पोरेट की यात्रा के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। जिसमें उन्होंने अपने गहन औद्योगिक अनुभवों के माध्यम से छात्रों को वास्तविक कॉर्पोरेट दुनिया की तैयारी के लिए उपयोगी सुझाव दिए। इस अवसर पर संस्थान की निदेशक डॉ. सपना राकेश ने कहा कि ' छात्रों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान देना है, बल्कि उन्हें उद्योग की वास्तविकताओं से भी अवगत कराना है। अनुभवी वक्ताओं का मार्गदर्शन हमारे छात्रों को करियर की दिशा में अधिक सजग और तैयार बनाता है।' सूदन ने एक भरे हुए सभागार को संबोधित करते हुए बताया कि आज की कॉर्पोरेट दुनिया में केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि संवाद कौशल और आत्म-प्रस्तुति की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने सेल्फ ब्रांडिंग की अहमियत को रेखांकित करते हुए कहा, 'आज के प्रतिस्पर्धी दौर में यह जरूरी है कि छात्र अपने ज्ञान के साथ-साथ उसे प्रस्तुत करने की कला में भी निपुण हों।' उन्होंने आत्म-विश्वास, व्यक्तिगत ब्रांडिंग, और अपने मूल्य को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने को कॉर्पोरेट सफलता की कुंजी बताया। जीएल बजाज ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि 'जीएल बजाज हमेशा से ही उद्योग-शैक्षणिक सेतु को मजबूत करने में विश्वास करता है। हमारे छात्रों को सशक्त प्रोफेशनल बनाने की दिशा में यह सत्र एक और महत्वपूर्ण कदम है। सत्र का समापन एक जीवंत प्रश्नोत्तर दौर के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने श्री सूदन से करियर योजना, साक्षात्कार तैयारी और कॉर्पोरेट अपेक्षाओं पर सुझाव प्राप्त किए। ऋतु टंडन-हेड ऑफ प्लेसमेंट ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, दो सौ किग्रा महुआ लहन नष्ट कराया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के नेतृत्व में अवैध शराब के निर्माण , बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। आबकारी निरीक्षक अखिलेश कुमार,रोबिन आर्य की संयुक्त टीम ने लालगंज तहसील के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर दबिश की बड़ी कार्यवाही की। आबकारी टीम द्वारा गुरुवार को थाना खीरो के अन्तर्गत मुस्तकीन गंज, बेहटा सातन पुर, उन्नतखेडा में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों / संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान लगभग 55 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 200 किलोग्राम महुआ लहन मौके पर नष्ट किया गया। चार अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत करते हुए 1 महिला अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में नगर पालिका रायबरेली ने किया बेहतर प्रदर्शन,पिछले वर्ष की अपेक्षा राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन

जी0एफ0सी0 स्टार रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्राप्त की गई वन स्टार रैंकिंग:-ई0ओ0

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद रायबरेली स्वर्ण सिंह ने बताया कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 का परिणाम जारी किया गया है, जिसमें नगर पालिका परिषद रायबरेली द्वारा पिछले वर्ष की अपेक्षा राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर अपने स्तर के 824 शहरों में 229 रैंक प्राप्त की गई, प्रदेश में अपने स्तर के (जनसंख्या 0.5 लाख से 3.0 लाख श्रेणी) 117 शहरों में 40 रैंक, ओडीएफ्ह्न रैंकिंग यथावत, जी0एफ0सी0 स्टार रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्राप्त की गई है वन स्टार रैंकिंग।

सीडीओ ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। सीडीओ ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी न्यायिक सदर अभिषेक वर्मा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

22 जुलाई तक अनुसूचित जनजाति छात्रावास (बालिका) में प्रवेश हेतु करें ऑनलाइन आवेदन : सृष्टि अवस्थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी ने बताया है कि जनपद में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास (बालिका), रायबरेली में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु छात्राओं से 15 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था परन्तु छात्र क्षमता के सापेक्ष अत्यन्त कम आवेदन प्राप्त होने के कारण आवेदन की तिथि बढ़ाकर 22 जुलाई 2025 तक किया गया है।इच्छुक छात्रायें ऑनलाइन पोर्टल https://upswdhms.in पर 22 जुलाई 2025 तक आवेदन कर सकती हैं।

एडीएम फाइनेंस ने बाढ़ की संभावनाओं के दृष्टिगत बाढ़ की चौकी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह ने बाढ़ की

संभावनाओं को देखते हुए पूरे गौतमन, तहसील डलमऊ में स्थापित बाढ़ की चौकी का निरीक्षण कर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए जिला प्रशासन व तहसील प्रशासन द्वारा संपूर्ण तैयारियां कर ली गई हैं। बाढ़ राहत शिविरों की व्यवस्था की गई है, जहां प्रभावित लोगों को भोजन, आश्रय और अन्य आवश्यक आसुविधाएं प्रदान की जाएंगी। बाढ़ नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं, इसके साथ ही आपदा प्रबंधन टीमों को सक्रिय किया गया है, जो बाढ़ की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देंगी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी डलमऊ अहमद फरीद खान, खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, सीएचसी इंचार्ज, क्षेत्रीय लेखपाल, आंगनबाड़ी सहायिका आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज की निष्ठा केशरवानी का सिलेक्शन अनुपमा सीरियल में हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। अपने प्रयागराज में में भी टैलेंट कमी नहीं है, हम बात कर रहे है इलाहाबाद डांस सेंटर की निष्ठा केसरवानी की जिसका चयन फेमस सीरियल अनुपमा में हो गया है, स्टार प्लस चैनल पर रात 10:00 बजे सीरियल का प्रसारण शुरू होता है इसके अलावा ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म जिओ हॉटस्टार पर भी प्रसारित होगा ! निष्ठा भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान डांस के ज़रिए कई रियलिटी शो जैसे भारत की शान रूमझुम , एचकेबीएस, बूगी वूगी, सबसे स्मार्ट कौन , एंटरटेनर नंबर वन , होम डांसर जैसे कई लोकप्रिय रियलिटी शो कर चुकी हैं! निष्ठा बताती हैं कि प्रयागराज में एक मात्र इलाहाबाद डांस सेंटर है जिससे कई बच्चे अपना हुनर भारतीय सिनेमा में बिखेर चुके हैं ! आपको बता दें डांस प्लस प्रो में कुछ दिन पहले ही शानवी जैसवाल का भी सिलेक्शन हुआ था।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने रखी अपनी मांग, निस्तारण के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जिले के पत्रकारों की समस्याओं एवं मांगों के समाधान निस्तारण व शासन-प्रशासन की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रचारित-प्रसारित करने के लिए के लिए निशुल्क पार्किंग व्यवस्था लागू की जाये रखी।जिलाधिकारी ने सहायक निदेशक सूचना सुनील

हेतु आज जिलाधिकारी मनीष वर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पत्रकार स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गयी।इस अवसर पर पत्रकारों ने जिलाधिकारी के साथ विभिन्न मामलों पर चर्चा की।जिलाधिकारी ने सभी मांगों को सुनकर निस्तारण के लिए दिशा निर्देश दिए है।आज बुद्धवार को जिलाधिकारी कार्यालय में जिला स्तरीय पत्रकार स्थायी समिति की बैठक में सहायक निदेशक सूचना सुनील कुमार कनौजिया ने पत्रकारों का स्वागत हुए बैठक का एजेण्डा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशों के क्रम में पत्रकारों के उत्पीड़न प्रकरणों के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पत्रकार स्थायी समिति का गठन किया जाता है। बैठक में आमंत्रित सदस्य धीरेन्द्र अवाना जिलाध्यक्ष ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने तीन प्रमुख मांगे पहली आपसी समन्वय के लिए पुलिस सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं पत्रकारों की प्रत्येक माह गोष्ठी का आयोजन किया जाए।दूसरी पुलिस महानिदेशक के आदेश के तहत जनपद में मीडियाकर्मियों की सहूलियत के लिए एक सक्षम अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी नियुक्त किया जाए।तीसरी तीनों प्राधिकरण द्वारा नोएडा, ग्रेटर नोएडा समित पुरे जिले में पत्रकारों कुमार कनौजिया को निर्देश दिये कि जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक प्रत्येक माह की जाये। इसके साथ ही अतिरिक्त सीपी आर के गौतम ने आश्वासन दिया कि पत्रकारों की समस्याओं के समाधान हेतू जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त किया जायेगा। वही जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने तीनों प्राधिकरण के सीईओ को पत्रकारों के लिए निशुल्क पार्किंग व्यवस्था लागू करने के लिए पत्र लिखा।बैठक में जिला स्तरीय पत्रकार स्थायी समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी मनीष वर्मा,पुलिस कमिश्नर के प्रतिनिधि अतिरिक्त सी.पी आर के गौतम,पत्रकार सदस्य शोभा राम भाटी,इसहाक सैफी,राजेश बैरागी और धीरेन्द्र अवाना उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय कबड्डी बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। खेल निदेशालय

उ0प्र0 लखनऊ के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय रायबरेली के द्वारा कबड्डी बालक जूनियर वर्ग जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 08 टीम 80 खिलाडियों प्रतिभाग किया। जिसके परिणाम इस प्रकार रहा। 1- केन्द्रीय विद्यालय रायबरेली 2-राजकीय कालोनी रायबरेली 3- अटौरा बुजुर्ग रायबरेली। 4-फिरोज गांधी डिग्री कालेज रायबरेली। 5-जिला खेल कार्यालय, रायबरेली ट्रॅनीज रायबरेली 6-बाबा रामदास इण्टर कालेज मधुकरपुर परसदेपुर रायबरेली 7-आर्दश कम्पोजिट विद्यालय चक अहमदपुर रायबरेली। 8-बाबा बाल्देश्वर बैद्य इण्टर कालेज चौनपुर तेरूआ रायबरेली टीम ने प्रतिभाग किया। पहला मैच केन्द्रीय विद्यालय रायबरेली बनाम अटौरा बुजुर्ग रायबरेली के मध्य खेला गया जिसमें कि 44-05 के अन्तर से केन्द्रीय विद्यालय रायबरेली दूसरा मैच बाबा रामदास इण्टर कालेज मधुकरपुर परसदेपुर रायबरेली बनाम फिरोज गांधी डिग्री कालेज रायबरेली जिसमें 25-08 से बाबा रामदास इण्टर कालेज मधुकरपुर परसदेपुर रायबरेली से विजयी रही वही तीसरा मैच आर्दश कम्पोजिट विद्यालय चक अहमदपुर रायबरेली। बनाम राजकीय कालोनी रायबरेली के मध्य खेला गया जिसमें 24-06 से राजकीय कालोनी रायबरेली विजयी रही। इस प्रकार अपने सभी मैचों को खेलते हुऐ फाइनल में केन्द्रीय विद्यालय रायबरेली और जिला खेल कार्यालय, रायबरेली ट्रॅनीज रायबरेली फाइनल में पहुंची। जिसमें फाइनल मैच केन्द्रीय विद्यालय रायबरेली बनाम जिला खेल कार्यालय, रायबरेली ट्रॅनीज रायबरेली के मध्य रोमांचक मैच हुआ जो कि 34-05 के अन्तार से जिला खेल कार्यालय, ट्रॅनीज रायबरेली विजयी रही और उपविजेता-पी0एम0श्री0 केन्द्रीय विद्यालय रायबरेली रही। निर्णायक-पिन्कू कुमार, मो0 शोएब खान, सचिन शुक्ला, सत्येद्र सिंह, अश्वनी चन्दा, नरेश निषाद, करन मिश्रा, कुलदीप सिंह, श्रद्धा सोनकर, प्रियाशु निर्णायको द्वारा प्रतियोगिता करायी गयी प्रतियोगिता के दौरान अत्याधिक गणमान्य लोग उपस्थित होकर मैच का आन्नद लिया। खेल भावना की सरहाना की। प्रतियोगिता के मैच का उदघाटन धीरेन्द्र कुमार पुरूषोत्तम, कीडाधिकारी जिला खेल कार्यालय, रायबरेली, के द्वारा किया गया तथा मुकेश श्रीवास्तव पूर्व चेयर मैन रायबरेली एवं शिवेन्द्र सिंह जिला प्रभारी भा0ज0पा0 रायबरेली के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। उपरोक्त प्रतियोगिता का सम्पूर्ण संचालन धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तक, कीडाधिकारी, जिला खेल कार्यालय, रायबरेली के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा खिलाडियों को खेल के प्रति उत्साह बढाया एवं बढिया खेल प्रर्दशन करने हेतु प्रेरित किया। इस भव्य प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु, बाबूलाल, मन्जू, नरेश कुमार निषाद, शोएब खान, कोच द्वारा सहयोग प्रदान किया गया साथ विभाग की ओर से दिये गये दिशा-निर्देशो तथा उच्चाधिकारियों के अनुपालन में प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। प्रतियोगिता के अवसर पर शुभम सिंह मण्डल उपाध्यक्ष भा0ज0पा0 रायबरेली अमिता अग्निहोत्री खेल अध्यापिका केन्द्रीय विद्यालय रायबरेली, किरन तिवारी, अभिभावक, पिन्कू कुमार कबड्डी कोच विशेष प्रशिक्षण देकर इस प्रतियोगिता के आयोजन में सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिता और अन्त में कीडाधिकारी रायबरेली ने प्रतियोगिता में आये हुऐ समस्त खिलाडियों एवं आगन्तुको दर्शकों का आभार प्रकट किया।

डी ए पी खाद के लिए तरस रहे किसान, किया विरोध प्रदर्शन
वी फैक्स करमा समिति का किया आकस्मिक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) करमा,सोनभद्र। बी फैक्स करमा समिति पर किसानों से बात की।किसानों ने बताया कि करमा क्षेत्र के सोसायटी पर डी ए पी खाद नहीं मिलने से मजबूरी में प्राईवेट दूकान से ऊंचे दामों में खाद लेने के लिए विवस हो रहे हैं।इस समय किसान को डी ए पी खाद के स्थान पांच हजार बोरी लगभग भेजी गई है तो किसानों को क्यों नही मील रहा है हम ए आर से बात करते है त वही बात करें पापी सोसायटी का हाल बेहाल है खाद मशीन में अगूठा मृतक आश्रित का न होने से किसानों को खाद नहीं मिल रही है त निबंधन कार्यालय एआर सोसायटी से किसान कई बार बात करने का प्रयास किया गया परन्तु फोन उठता ही नहीं है। इस बात को सुनकर सपा पूर्व विधायक रमेश चंद दूबे ने लखनऊ ए आर एम आशुतोश से सेल फोन पर बातचीत की।उन्होंने बताया कि सोनभद्र जिले को साढ़े पाच हजार बोरी डी ए पी खाद अभी भेजी गई है क्यो नही किसान को दी जा रही है समझ से परे है।इस दौरान श्री दूबे ने कहा कि अगर समय रहते डी ए पी खाद केन्द्रों पर नहीं आईं तो हम किसानों के साथ रोड जाम कर धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। यही वर्तमान सरकार का हाल है। यही सबका साथ,सबका विकास है।इस दौरान सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

पर पहुच कर सपा पूर्व विधायक ने किसानों का जाना हाल, डी एपी खाद नहीं मिलने पर जताया चिन्ता। प्राप्त जानकारी अनुसार बुधवार को दोपहर सपा पूर्व विधायक रमेश चंद दूबे ने बी फैक्स करमा समिति पर किसानों से बात की।किसानों ने बताया कि करमा क्षेत्र के सोसायटी पर डी ए पी खाद नहीं मिलने से मजबूरी में प्राईवेट दूकान से ऊंचे दामों में खाद लेने पर बीस बीस जीरो डाई मिल रही है जो किसान के लिए धान की रोपाई में काम नहीं करती है।वही बिधायक के साथ किसानों ने जताया विरोध श्री दुबे ने ए आर साहब से बात किए तो ए आर ने बताया की शासन से पर्याप्त मात्रा मे खाद नही मील रहा है हम लोग मजबूर है आप ए आर एम से बात करें जब ए आर एम से बात हुई तो बताए की सोनभद्र जिले मे साढ़े

मृतक लेखपाल के विरोध में संघ ने डीएम को दिए ज्ञापन, हापुड़ में गलत निलंम्बन के बाद मृतक से संगठन में आक्रोश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। हापुड़ में जिलाधिकारी द्वारा निलंबित किये गए लेखपाल सुभाष मीणा के समर्थन में सोनभद्र के लेखपालों ने मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौप कर बुलंद किया आवाज। जिला अध्यक्ष सुबोध सिंह ने बताया कि प्रान्तीय संगठन उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आहवान पर पूरे प्रदेश के समस्त जनपदो के तहसील में विरोध दर्ज कराया गया वहीं जनपद हापुड़ के जिलाधिकारी के द्वारा बिना जांच किए जनपद हापुड़ में कार्यरत लेखपाल सुबाष मीणा को निलम्बित किया गया जिससे आहत होकर सुबाष मीणा की अवसाद व तनाव में जाने के कारण मृत्यु हो गई। जो अत्यन्त हृदय विदारक घटना हैं। इस हृदय विदारक घटना से क्षुब्ध होकर घटना के विरोध में बीते सोमवार को जिले के सभी तहसीलो पर प्रातः 10.00 से 2.00 बजे तक कार्य बहिस्कार किया जा रहा हैं। उक्त घटना के क्रम में मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन लेखपाल संघ के अध्यक्ष/मंत्री द्वारा दिया गया। मौके पर जिलाअध्यक्ष सोनभद्र एवं सभी पदाधिकारीगण तहसील सदर सतप्रतिशत उपस्थित रहे मौके पर मुख्य रूप से सुबोध सिंह, साजिद खान,संजय सिंह, सिंह,हृदयेश ,भगवान, मनोज,पंकज,रत्नेशअरविंद, संजीव कुमार, मनीष, रेशमा कंचन, श्वेता सिंह, निशा, मनीष सिंह,अनिता रूबी,प्रियंका,प्रिया आदि लेखपाल उपस्थित रहें।

रोजगार मेलें में 53 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । जिला सेवायोजन कार्यालय, परिसर, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, में बुधवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 125 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। डीसेट्स, फरीदाबाद, शिव शक्ति एग्रीटेक लि0 वाराणसी, गौतम सोलर प्रा0 लि0, भिवानी, हरियाणा, सूद ऑटोमोबाईल्स, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, सोलेरा इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0, मधुपुर, सोनभद्र एवं स्वाभिमान फाईनेन्स प्रा0 लि0, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि कुल 06 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। इस मेलें में विभिन्न पदों पर कम्पनियों द्वारा कुल 53 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर सेवायोजन अधिकारी प्रमोद तिवारी, सच्चिदानन्द, मेला प्रभारी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, जमील अहमद, प्रदीप कुमार सिंह, पवन कुमार सोनकर, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, मनोज कुमार एवं अंशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

हज़रत इमाम हुसैन अ0स0 के दसवें की ताज़िया व अलम जुलूस उठा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। हज़रत इमाम हुसैन अ0स0 के दसवें की ताज़िया व अलम जुलूस हमेशा की तरह इस साल भी नगर पालिका कार्यालय के पास वार्ड नं0 13 हमीदनगर स्थित सय्यद शौकत हुसैन जाफरी के घर से बुधवार को उठा, जो अपने कदीमी रास्तो से होता हुआ शाम 7 बजे कर्बला जाकर ठंडा हुआ। जुलूस की मजलिस दिन में 3 बजे शुरू हुई जिसमें कौशाम्बी के मौलाना शहंशाह हुसैन साहब ने खेताबत किया। बाद मजलिस ताज़िया व अलम का कदीमी जुलूस निकला जिसमे बनारस, मिर्ज़ापुर, ओबरा की अंजुमनों ने नौहा व मातम किया। मेन रोड पहुचने पर इस जुलूस में रिज़वी कटरे से निकला दुलदुल व फतेह मुहम्मद का दुलदुल

अ0स0 के दसवें की ताज़िया व अलम जुलूस हमेशा की तरह इस साल भी नगर पालिका कार्यालय के पास वार्ड नं0 13 हमीदनगर स्थित सय्यद शौकत हुसैन जाफरी के घर से बुधवार को उठा, जो अपने कदीमी रास्तो से होता हुआ शाम 7 बजे कर्बला जाकर ठंडा हुआ। जुलूस की मजलिस दिन में 3 बजे शुरू हुई जिसमें कौशाम्बी के मौलाना शहंशाह हुसैन साहब ने खेताबत किया। बाद मजलिस ताज़िया व अलम का कदीमी जुलूस निकला जिसमे बनारस, मिर्ज़ापुर, ओबरा की अंजुमनों ने नौहा व मातम किया। मेन रोड पहुचने पर इस जुलूस में रिज़वी कटरे से निकला दुलदुल व फतेह मुहम्मद का दुलदुल शामिल हो कर नौहा मातम करते हुए कर्बला जाकर ठंडा (समाप्त) हुआ।इस जुलूस में तमाम लोगो ने शिरकत की तथा इमाम हुसैन अ0स0 को नज़राना ए अक़ीदत पेश किया। जिसमें मुख्य रूप से शौकत हुसैन जाफरी, तौकीर जाफरी, दानिश जाफरी, साबिर जैदी, एम ए सिद्दीकी एड0 असलम रिज़वी, हिदायदुल्लाह खान, फरीद भाई,अब्बास रिज़वी, साजिद वारसी, अशरफी, फतेह मुहम्मद, रिजवान वारसी, तनवीर खान, वारिस अली, इमरान बख्शी, कामरान, नन्हूभाई, यामीन भाई, शिबली खान इत्यादि लोग शामिल रहे।

रोजगार मेलें में 53 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । जिला सेवायोजन कार्यालय, परिसर, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, में बुधवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 125 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। डीसेट्स, फरीदाबाद, शिव शक्ति एग्रीटेक लि0 वाराणसी, गौतम सोलर प्रा0 लि0, भिवानी, हरियाणा, सूद ऑटोमोबाईल्स, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, सोलेरा इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0, मधुपुर, सोनभद्र एवं स्वाभिमान फाईनेन्स प्रा0 लि0, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि कुल 06 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। इस मेलें में विभिन्न पदों पर कम्पनियों द्वारा कुल 53 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर सेवायोजन अधिकारी प्रमोद तिवारी, सच्चिदानन्द, मेला प्रभारी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, जमील अहमद, प्रदीप कुमार सिंह, पवन कुमार सोनकर, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, मनोज कुमार एवं अंशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

बारिश से पांच कच्चे मकान ढहे,सभी परिवार सड़क पर आने को मजबूर, जिलाधिकारी से आवास की मांग

सोनभद्र। घोरावल ब्लॉक के खड़हा गांव में आज हुई बारिश ने कई परिवारों की मुसीबत बढ़ा दी है। बारिश के कारण गांव में पांच कच्चे मकान ढह गए हैं। कई मकानों में पानी घुस गया है। खतरे को देखते हुए लोगों को अपने घर छोड़कर सड़क पर आना पड़ा है। कच्चे मकानों की स्थिति बेहद नाजुक है। किसी भी समय और मकान गिर सकते हैं। पानी भरने से कच्ची दीवारें कमजोर हो गई हैं। प्रभावित परिवारों ने जिलाधिकारी से मदद की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से आवास मुहैया कराने की मांग की है। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में रहने के लिए सुरक्षित जगह चाहिए। अभी तक प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं पहुंची है।

जिले के अवैध अस्पताल/नर्सिंग होम की हो जांच-आशु,मनमानी रूप से एंबुलेंस द्वारा कर रहे कामों की हो जांच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज विधानसभा के नगर राबर्ट्सगंज में संचालित सी0एम0ओ0 कार्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) द्वारा पहुंचकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोनभद्र को ज्ञापन देते हुए अवगत कराया गया कि जनपद सोनभद्र में आम जनमानस द्वारा यह बात आए दिन सामने आती है कि तमाम अस्पताल एवं नर्सिंग को संचालित हैं जो अपना मानक पूरा नहीं करते जिसका परिणाम मरीजों को भुगतना पड़ता है । वही मंगलवार को राबर्ट्सगंज निजी अस्पताल में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो जाती है जिसको लेकर परिजनों ने उस अस्पताल पर आरोप भी लगाया है इसकी भी जांच की मांग करते हुए, आशु दुबे ने कहा कि नगर फ्लाईओवर के नीचे तमाम एंबुलेंस खड़े रहते हैं जो यहां से मरीजों को इलाज हेतु ले जाते हैं और मरीजों के द्वारा बताए गया अस्पताल में ना ले जाकर अपने चहेते हॉस्पिटल में उनको पहुंचाया जाता है, बेबस मरीज अपना इलाज जल्द से जल्द कराने हेतु भर्ती तो हो जाता है लेकिन उसका परिणाम भी देते हैं आखिर इसका जिम्मेदार कौन है। इस तरह के फर्जी हॉस्पिटल/ नर्सिंग होम के साथ चल रहे हैं फर्जी एम्बुलेंसों की जांच हो ताकि आम जनमानस/मरीजों को इससे राहत मिल सके। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि मरिज बेबस होता है उसे अस्पताल/डॉक्टर द्वारा जो कहा जाता है वह वही करता है लेकिन अगर उसे सच्चाई ना बताई जाए और परिवार का कोई व्यक्ति मर जाए तो उसका जिम्मेदार कौन है, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने कहा कि चल रहे एम्बुलेंसों की जांच हो कि वह एंबुलेंस किसकी है और ऐसा कार्य क्यों करते हैं ,एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि जहां मरीज अस्पताल में डॉक्टर को भगवान समझ कर जाता है और अगर उसे वहां से निराश मिलती है तो उसका जिम्मेदार कौन है । कार्यक्रम में मुख्य उपस्थित रहने वालों में सोशल आउटफिट डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष सुशील राव , कांग्रेस नेता राहुल जैन ,प्रमोद प्रजापति, रवि कुमार, अंकित साकेत के साथ लो रहे।

पेड़ हैं तो प्राण हैं युवाओं ने लिया संकल्पःसंदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पेड़ हैं तो प्राण हैं के संयोजक सन्दीप मिश्र ने बताया की पृथ्वी पर पेड़ है तो मनुष्य सहित जीव जंतुओं का भी प्राण हैं का संकल्प लेकर युवाओं के साथ 401 विधानसभा के विभिन्न बूथ पे पेड़ लगाकर जो संकल्प लिया गया है कि विधानसभा के हरेक बूथ पर पेड़ लगाकर व पर्यावरण के प्रति लोगों को पूरे विधानसभा में जनजागरण किया जायेगा उसी क्रम में बुधवार को मुख्यालय के रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों नौजवानो के साथ पेड़ लगाया गया व विधानसभा के आमजन की सबसे बड़ी पिडा रेलवे क्रासिग ओबर ब्रीज को बनाकर जन जन की पिडा को दूर करने की मांग नौजवानो द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अतुल चौबे रिसब चौबे सत्यम पाण्डेय सर्वेष तिवारी आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द धीरज कनौजिया सुनील यादव विवेक जाटव सुरेस बियार गुड्डू धागर बबलू चेरो सियाराम पनिका सिवा पटेल धीरेन्द्र मौर्य राजू कुशवाहा मनोज प्रजापति रामाधार विश्वकर्मा पवन बिन्द रोहित सिंह उदित चौहान रवि चौहान पियुस केसरी राबिन श्रीवास्तव मनोज अग्रवाल अछय गुप्ता सजय केसरी सतोष कुमार लालू गोण अजय सोनी मनीष सोनकर सचिन सोनकर रामबाबू पटेल अरविन्द पटेल सुरेन्द्र गुप्ता व सैकड़ों नौजवान उपस्थित रहे।

खतरनाक- सोन नदी में चोपन के सोमेश्वर घाट पर 12-15 साल के बच्चे उफनती नदी में लगा रहे छलांग

सोनभद्र। चोपन में सोन नदी का जलस्तर बृहस्पतिवार की सुबह अचानक बढ़ने लगा। यह स्थिति सहायक नदियों में बरसात का पानी आने और अन्य प्रदेशों के डैम से पानी छोड़े जाने के कारण बनी। सोमेश्वर घाट पर चिंताजनक दृश्य देखने को मिला। 12 से 15 साल के नाबालिग बच्चे तेज बहाव वाली नदी में छलांग लगाते नजर आए। स्थानीय निवासी दीपक साहनी ने बताया कि कुछ घंटों में ही नदी का पानी कई मीटर ऊपर चढ़ गया। पानी रेलवे के जल विभाग के कमरों तक पहुंच गया है। इन कमरों की छत से बच्चे नदी में कूद रहे हैं। उनका यह खतरनाक कृत्य सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। प्रशासन से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की जा रही है।

आदिवासी संस्कृति पर होगा मंथन,विद्यासागर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला
सोनभद्र के दो विशेषज्ञों को आमंत्रण

सोनभद्र। पश्चिम बंगाल के विद्यासागर विश्वविद्यालय में एक से दो अगस्त तक आईसीएसएसआर द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में सोनभद्र के म्योरपुर ब्लॉक के लीलासी निवासी डॉ. लखन राम जंगली और जगत नारायण विश्वकर्मा को आमंत्रित किया गया है। डॉ. जंगली आदिवासी परंपरा के विशेषज्ञ, कवि और लेखक हैं। विश्वकर्मा पर्यावरण कार्यकर्ता हैं और आदिवासी जीवन शैली पर काम करते हैं। कार्यशाला में इतिहास और प्राचीन भारतीय परंपराओं पर विस्तृत चर्चा होगी। कार्यशाला के संयुक्त संयोजक और डॉ. भीमराव अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय की प्रो. डॉ. बिना सेंगर ने कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में दीर्घकालीन अध्ययन की अवधारणाओं पर चर्चा होगी। प्रश्नावली निर्माण और डेटा प्रबंधन जैसे विषयों को भी शामिल किया जाएगा। कार्यशाला में सोनभद्र, चंदौली और मिर्जापुर सहित देश के विभिन्न राज्यों की आदिवासी संस्कृति पर चर्चा होगी। विलुप्त होती जनजातियों की भाषाओं और बोलियों पर भी मंथन होगा। कार्यक्रम में बीएचयू के आयुर्वेद विभाग के प्रो. किशोर पटवर्धन, डॉ. निर्मल कुमार महतो और प्रो. शेख फिरोज शामिल होंगे। आईआईटी खड़गपुर, बीएचयू और मुंबई सहित विभिन्न संस्थानों के कुल 30 विशेषज्ञ इस कार्यशाला में भाग लेंगे।

राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र की शिक्षिका को ट्रक ने मारी टक्कर,हाथ-पैर में फ्रैक्चर की आशंका

सोनभद्र। सोनभद्र के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में एक दुर्घटना में प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका घायल हो गईं। यह हादसा कठपुरवा गांव के पास हुआ। करमा विकास खंड स्थित कसया कला गांव के प्राथमिक विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका रेनू गुप्ता स्कूल से छुट्टी के बाद स्कूटी से अपने घर राबर्ट्सगंज जा रही थीं। कठपुरवा गांव के पास सामने से आ रही एक ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह वहीं गिर पड़ीं। आसपास के लोगों ने तुरंत मदद की और उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केकराही पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें राबर्ट्सगंज के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। कसया कला स्कूल में कार्यरत शिक्षामित्र सुरेश के अनुसार, रेनू गुप्ता को गंभीर चोटें आई हैं। चिकित्सकों के मुताबिक उनके हाथ और पैर में फ्रैक्चर की आशंका है। साथ ही उनके सर में भी चोट आई है। फिलहाल वह राबर्ट्सगंज के निजी अस्पताल में भर्ती हैं।

राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में एक

बेंगलुरु भगदड़- कर्नाटक सरकार ने आरसीबी को जिम्मेदार बताया:परेड की इजाजत नहीं ली, कोहली का वीडियो डालकर लोगों को बुलाया; फ्री पास से भीड़ बेकाबू हुई

बेंगलुरु। बेंगलुरू में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री डे परेड पर हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार की रिपोर्ट गुरुवार को सामने आई। रिपोर्ट में हादसे का जिम्मेदार आरसीबी को बताया गया है। इसमें कोहली का भी जिक्र है। कर्नाटक सरकार ने कहा है कि आरसीबी ने चिन्नास्वामी में आयोजित विक्ट्री परेड के लिए सरकार से कोई अनुमति नहीं ली थी। भीड़ ज्यादा होने से भगदड़ मची। जिसमें 11 लोगों की जान गई और 50 घायल हुए। हालांकि सरकार ने यह भी कहा कि आयोजन को अचानक रद्द करने से हिंसा भड़क सकती थी और शहर में कानून-व्यवस्था बिगड़ जाती। सरकार ने 15 जुलाई को हाईकोर्ट को रिपोर्ट सौंपी थी। सरकार ने कोर्ट में कहा था कि वे रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहते हैं लेकिन कोर्ट ने कहा कि ऐसी गोपनीयता के लिए कोई कानूनी आधार नहीं है।वहीं, कर्नाटक के मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने कहा, 'जब भी कोई बड़ा आयोजन होता है, तो यह विभाग की जिम्मेदारी होती है और निश्चित रूप से चूक हुई है... युवा जानें गई हैं और हम इसे आसानी से नहीं ले सकते और हम कुछ कार्रवाई करेंगे...'1. आरसीबी ने पुलिस को परेड की सूचना दी, अनुमति नहीं ली रिपोर्ट के मुताबिक, आरसीबी ने 3 जून को टीम के 18 साल बाद आईपीएल खिताब जीतने पर पुलिस को विक्ट्री परेड की सूचना दी, लेकिन यह सूचना अनुमति मांगने के बजाय केवल जानकारी थी। जबकि, कानून के तहत ऐसे आयोजनों के लिए कम से कम सात दिन पहले अनुमति लेना जरूरी है। आरसीबी ने ऑफिशियल अनुमति के लिए आवेदन नहीं किया। पुलिस को भीड़ की संख्या, व्यवस्था, या संभावित समस्याओं की जानकारी नहीं दी गई, इसलिए अनुमति नहीं मिली। 2. बिना पुलिस की सलाह के सार्वजनिक निमंत्रण रिपोर्ट में कहा गया है कि आरसीबी ने 4 जून को सुबह 7:01 बजे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फ्री एंट्री की घोषणा की और लोगों को विधान सभा से चिन्नास्वामी स्टेडियम तक की विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। सुबह 8 बजे एक और पोस्ट की गई और 8:55 बजे विराट कोहली का एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें उन्होंने बेंगलुरु के लोगों और आरसीबी प्रशंसकों के साथ उत्सव की बात कही गई। दोपहर 3:14 बजे, आरसीबी ने पहली बार फ्री पास की जानकारी दी, जो पहले स्पष्ट नहीं थी।3. तीन लाख से ज्यादा लोग जुटे जो स्टेडियम की कैपेसिटी से अधिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आरसीबी की इन पोस्ट्स को 44 लाख से ज्यादा बार देखा गया, जिसके कारण 3 लाख से अधिक लोग जमा हो गए। बेंगलुरु मेट्रो के आंकड़ों के अनुसार, उस दिन 9.66 लाख लोगों ने मेट्रो का उपयोग किया, जो सामान्य दिनों के 6 लाख की तुलना में बहुत ज्यादा था। भीड़ न केवल स्टेडियम के आसपास, बल्कि एचएएल हवाई अड्डे से ताज वेस्ट एंड तक 14 किमी के रास्ते पर भी थी, जहां टीम उतरी थी। दोपहर 3 बजे के आसपास, चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भीड़ अचानक बढ़ गई। स्टेडियम की क्षमता केवल 35,000 है, लेकिन 3 लाख लोग जमा हो गए। आरसीबी की देर से की गई पास वाली घोषणा ने भ्रम और गुस्सा पैदा किया। आयोजकों की ओर से गेट समय पर और व्यवस्थित तरीके से नहीं खोले गए, जिसके कारण भीड़ ने गेट नंबर 1, 2 और 21 तोड़ दिए। गेट नंबर 2, 2ए, 6, 7, 15, 17, 18, 20 और 21 पर भगदड़ की स्थिति बनी। पुलिस ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। 4. परेड क्यों नहीं रोकी गई? रिपोर्ट में कहा गया है कि आयोजन को अचानक रद्द करने से हिंसा भड़क सकती थी और शहर में कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती थी। इसलिए, आयोजन को पूरी तरह बंद करने के बजाय, इसका समय कम किया गया और निगरानी बढ़ाई गई। यह निर्णय लोगों की ज्यादा संख्या और सूचना के अभाव को ध्यान में रखकर लिया गया, ताकि बड़े पैमाने पर दंगे या हिंसा से बचा जा सके।4 जून को बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर शाम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 खिताब जीतने की खुशी में विक्ट्री परेड निकाली गई। स्टेडियम में घुसने की कोशिश में कई लोगों ने दीवार फांदने की कोशिश की। एंट्री गेट पर हजारों की भीड़ मौजूद थी। सड़क पर लाखों लोग जमा थे। इस दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हुए थे।बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड आरसीबी विकास कुमार को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) ने बहाल कर दिया था। कैट ट्रिब्यूनल ने कहा कि हादसे के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जिम्मेदार है। कैट ने कहा, 'पुलिस भगवान या कोई जादूगर नहीं है।

दांत पीले क्यों पड़ते हैं? क्या सफेद दांत ही होते हैं हेल्दी, डेंटल एक्सपर्ट से जानें सफेद दांतों का मिथ और सच्चाई

नयी दिल्ली। कुछ सवाल जवाब के माध्यम से समझेंगे बात एक्सपर्टः डॉ. पुनीत आहूजा, डेंटल-ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली से हममें से ज्यादातर लोग दांतों की सफेदी को ही उनकी सेहत और सफाई का पैमाना मानते हैं। जब कोई मुस्कुराते हुए चमकते सफेद दांत दिखाता है तो हमें लगता है कि उसके दांत बिल्कुल हेल्दी होंगे। लेकिन दांतों का रंग सच में उनकी मजबूती और साफ-सफाई को नहीं दर्शाता है। हल्के पीले दांत भी पूरी तरह स्वस्थ और मजबूत हो सकते हैं।सवाल- दांत पीले या बदरंग क्यों हो जाते हैं? जवाब- हमारे दांतों की सबसे बाहरी परत को इनैमल कहा जाता है। यह बहुत मजबूत होती है, लेकिन इसमें सूक्ष्म छिद्र होते हैं। जब हम चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक या शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं तो इनके रंग और दाग इन छिद्रों में धीरे-धीरे जमा होने लगते हैं। यही कारण है कि समय के साथ दांतों का रंग फीका पड़ने लगता है और वे पीले या बदरंग दिखने लगते हैं। इसके अलावा कुछ अन्य वजहें भी हैं,ठीक से ब्रश न करना अगर आप दिन में दो बार सही तरीके से ब्रश और फ्लॉस नहीं करते हैं तो दांतों पर एक चिपचिपी परत (प्लाक) जम जाती है। समय के साथ यह परत सख्त होकर टार्टर बन जाती है। ये टार्टर खाने के रंग और बैक्टीरिया को पकड़ लेता है, जिससे दांत पीले हो जाते हैं। चाय-कॉफी और शुगरी ड्रिंक्स- चाय, कॉफी, कोक, वाइन और कुछ स्पोर्ट्स ड्रिंक्स में आर्टिफिशियल कलर और एसिड होते हैं। ये धीरे-धीरे दांतों की ऊपरी परत में जमा हो जाते हैं और दांतों को पीला कर देते हैं। अगर लंबे समय तक इनका सेवन किया जाए और सफाई सही से न हो तो दाग पक्के हो जाते हैं। धूम्रपान (स्मोकिंग)- सिगरेट और तंबाकू में निकोटीन होता है, जो दांतों पर पीले या भूरे दाग छोड़ता है। लंबे समय तक स्मोकिंग करने से ये दाग गहरे होते जाते हैं और दांतों की ऊपरी परत (इनैमल) के अंदर तक पहुंच सकते हैं। उम्र और जेनेटिक्स कारण- कई बार दांतों का पीला रंग जेनेटिक होता है। अगर माता-पिता के दांत पीले हैं तो बच्चों के भी हो सकते हैं। इसके अलावा उम्र बढ़ने पर इनैमल घिसता है और नीचे की पीली परत (डेंटिन) ज्यादा दिखने लगती है। कुछ दवाइयों का असर- कुछ एंटीबायोटिक दवाएं, जैसे टेट्रासाइक्लिन या ऑक्सिटेट्रासाइक्लिन बच्चों के दांत बनने के समय दी जाएं तो उनका रंग बदल सकता है। दांत ग्रे या पीले दिखाई देने लगते हैं। चोट या एक्सीडेंट- अगर दांत या मुंह पर चोट लग जाए तो दांत की सतह टूट सकती है या अंदरूनी हिस्सा डैमेज हो सकता है। इससे दांत का रंग बदल सकता है। सवाल- क्या पीले दांत, सफेद दांतों से ज्यादा हेल्दी होते हैं? जवाब- डॉ. पुनीत आहूजा कहते हैं कि दांतों का रंग देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि दांत हेल्दी हैं या नहीं। असली बात ये है कि दांत मजबूत हैं या नहीं और आप मुंह की सफाई यानी ओरल हाइजीन का कितना ध्यान रखते हैं। इसे इन पॉइंटर्स से समझिए-दांतों की मजबूती- अगर दांतों की ऊपर की परत यानी इनैमल सुरक्षित है तो हल्के पीले दांत भी उतने ही मजबूत होते हैं जितने सफेद दांत। कई बार बहुत सफेद दांत सिर्फ दिखने में अच्छे होते हैं, लेकिन उनके अंदर कैविटी या बैक्टीरिया हो सकते हैं।सेंसिटिविटी- हल्के पीले दांतों में आमतौर पर सेंसिटिविटी कम होती है। जब तक इनैमल घिसा न हो। दूसरी ओर बहुत सफेद दांत (खासतौर पर ब्लीच किए गए) का इनैमल पतला हो सकता है, जिससे ठंडा-गर्म लगना शुरू हो सकता है। दाग-धब्बों की संभावना- अगर ओरल हाइजीन ठीक नहीं है तो पीले दांतों पर दाग जल्दी दिखने लगते हैं। हालांकि सफेद दांतों पर भी दाग हो सकते हैं, लेकिन शुरू में वे कम नजर आते हैं और बाद में साफ दिखने लगते हैं। ट्रीटमेंट से सफेदी- ज्यादातर लोगों के दांत नेचुरली हल्के पीले होते हैं और यह सामान्य है। बहुत सफेद दांत आमतौर पर ब्लीचिंग या अन्य ट्रीटमेंट से सफेद किए जाते हैं, जो नेचुरल नहीं होते हैं। यह समय के साथ इनैमल को नुकसान पहुंचा सकते हैं।सवाल- क्या होम रेमेडीज से दांत सफेद करना सही है? जवाब- घरेलू नुस्खे जैसे बेकिंग सोडा, नींबू का रस या एक्टिवेटेड चारकोल से दांतों को साफ और सफेद दिखाने की कोशिश की जाती है, लेकिन यह तरीका हमेशा सुरक्षित नहीं होता है। इन चीजों में तेज एसिड या खुरदुरे कण होते हैं, जो दांतों की ऊपरी परत यानी इनैमल को धीरे-धीरे घिस सकते हैं। ऐसे उपाय करते समय डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।सवाल- क्या दांतों को हमेशा सफेद बनाए रखना संभव है? जवाब- दांतों को बिल्कुल सफेद बनाए रखना नेचुरल रूप से हमेशा संभव नहीं होता है क्योंकि समय के साथ हमारा खान-पान, उम्र, लाइफस्टाइल और आदतें दांतों के रंग को प्रभावित करती हैं। हालांकि अगर आप रोजाना अच्छी ओरल हाइजीन अपनाते हैं, जैसे सही तरीके से ब्रश करना, फ्लॉस करना, शुगरी ड्रिंक्स से बचना और समय-समय पर डेंटल क्लीनिंग करवाते हैं तो दांतों को लंबे समय तक साफ, स्वस्थ और चमकदार जरूर बनाए रखा जा सकता है।सवाल- क्या दांत जितने ज्यादा सफेद होंगे, उतने ही साफ और हेल्दी माने जाएंगे?जवाब- यह एक आम मिथक है। सफेद दांत हमेशा हेल्दी या साफ हों, यह जरूरी नहीं है। असल में, दांतों की स्वस्थता का पैमाना उनकी सफाई, मजबूती और मुंह की कुल हाइजीन से तय होता है, न कि सिर्फ रंग से। इसलिए जरूरी है कि हम केवल सफेदी के पीछे न भागें, बल्कि दांतों की सही देखभाल और सफाई पर ध्यान दें।सवाल- क्या रेगुलर डेंटल क्लीनिंग जरूरी है? जवाब- हां, रेगुलर डेंटल क्लीनिंग यानी समय-समय पर प्रोफेशनल तरीके से दांतों की सफाई कराना बहुत जरूरी है। इससे कई फायदे हैं। जैसेकि- दांतों और मसूड़ों की बीमारियों का खतरा कम होता है। सांस की बदबू से राहत मिलती है। दांत लंबे समय तक हेल्दी बने रहते हैं। आमतौर पर हर 6 महीने में एक बार डेंटल क्लीनिंग कराना काफी होता है। अगर मसूड़ों की समस्या है या ओरल हेल्थ पहले से कमजोर है तो डॉक्टर की सलाह अनुसार यह अंतराल कम भी किया जा सकता है।

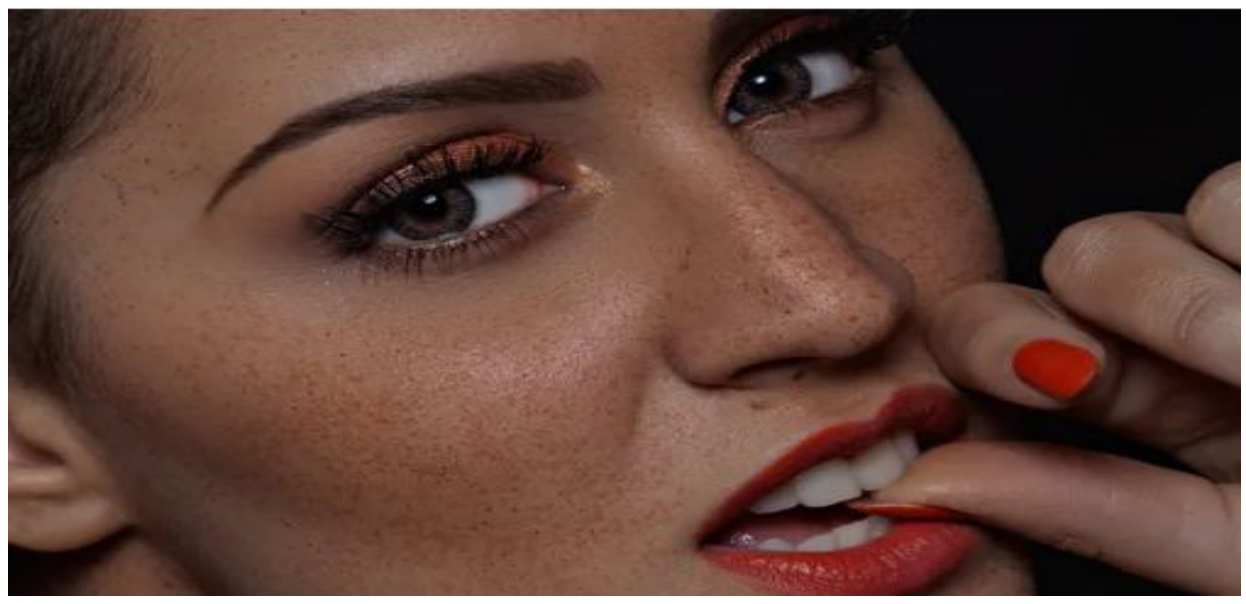

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रसेल संन्यास लेंगेःकहा- दो टी20 मैचों के बाद क्रिकेट को अलविदा कहूंगा, अगली पीढ़ी के लिए मिसाल बनना चाहता हूं

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर आंद्रे रसेल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेंगे। उन्होंने ऐलान किया है कि वे जमैका के सबीना पार्क में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टी-20 मैचों के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। 37 साल के रसेल 2019 से केवल टी-20 क्रिकेट खेल रहे हैं। रसेल ने कहा, 'वेस्टइंडीज के लिए खेलना मेरे लिए गर्व की बात रही है। बचपन में मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस मुकाम तक पहुंचूंगा। क्रिकेट से प्यार ने मुझे और बेहतर बनने की प्रेरणा दी। मैं चाहता था कि मैं वेस्टइंडीज की जर्सी में अपनी छाप छोड़ूं और दूसरों के लिए प्रेरणा बनूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे अपने घर में परिवार और दोस्तों के सामने खेलना बहुत पसंद है। मैं अपने करियर का अंत शानदार प्रदर्शन के साथ करना चाहता हूं और अगली पीढ़ी के लिए एक मिसाल बनना चाहता हूं।' रसेल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 टीम में शामिल किया है। 5 टी-20 मैचों की सीरीज 21 जुलाई से शुरू हो रही है। पहला और दूसरा मैच जमैका के सबिना पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। रसेल, निकोलस पूरन के बाद दो महीने में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे बड़े खिलाड़ी हैं। 9 जून से निकोलस पूरन ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रसेल 2019 के बाद टीम में इकलौते ऐसे प्लेयर हैं, जो 84 से ज्यादा मैच खेल चुके हैं। वे 2026 में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप से 7 महीने पहले संन्यास लेने जा रहे हैं। रसेल ने वेस्टइंडीज को 2 टी-20 वर्ल्ड कप जिता चुके हैं। विंडीज ने 2012 में श्रीलंका को 36 और 2016 में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर टी-20 वर्ल्ड कप का टाइटल जीता था। वेस्टइंडीज क्रिकेट बदलाव के दौर में है। टीम 2 दिन पहले 14 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टेस्ट की दूसरी पारी में वेस्टइंडीज के 27 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इसके बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों में सर विवियन रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड और ब्रायन लारा के साथ क्रिकेट रिवाइव करने के लिए जरूरी बदलावों पर चर्चा की है। जमैका के सबिना पार्क स्टेडियम में खेले गए तीसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज की टीम 176 रन से हार गई और 3 मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप हो गई थी।

प्रगनानंदा ने वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को 39 चालों में हराया,लास वेगास टूर्नामेंट में टॉप पर,मैग्नस को 30 दिन में दो बार हरा चुके हैं गुकेश

नयी दिल्ली। भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा ने लास वेगास में फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम टूर में दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को हरा दिया है। 19 साल प्रगनानंदा ने पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन को केवल 39 चालों में मात दी। कार्लसन को प्रगनानंदा ने टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के चौथे राउंड में हराया। इस टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी को 10 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकेंड अतिरिक्त मिलते हैं। नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर कार्लसन को हाल ही में भारत के मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश भी लगातार दो बार हरा चुके हैं। प्रगनानंदा संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंचे मैग्नस कार्लसन के खिलाफ चौथे राउंड में मिली जीत के साथ आर प्रगनानंदा 4.5 पॉइंट्स के साथ आठ खिलाड़ियों वाले टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गए हैं। इस जीत के साथ प्रगनानंदा, कार्लसन को तीनों फॉर्मेट क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में हराने में सफल रहे। प्रगनानंदा ने टूर्नामेंट की शुरुआत उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ ड्रॉ खेलकर की थी। इसके बाद दूसरे राउंड में उनका सामना असाउबायेवा से हुआ था, जिसमें वह जीत हासिल करने में कामयाब रहे थे। प्रगनानंदा ने अपनी लय को बरकरार रखते हुए तीसरे राउंड में काले मोहरों से खेलते हुए कीमर को हराया। चौथे राउंड में प्रगनानंदा वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के साथ संयुक्त रूप से टॉप पोजीशन पर पहुंच गए हैं। प्रगनानंदा का जन्म 10 अगस्त 2005 को चेन्नई में हुआ। उनके पिता स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक में काम करते हैं, जबकि मां नागलक्ष्मी एक हाउसवाइफ हैं। उनकी बड़ी बहन वैशाली आर भी चेस खेलती हैं। प्रगनानंदा का नाम पहली बार चर्चा में तब आया, जब उन्होंने 7 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चैंपियनशिप जीती थी। तब उन्हें फेडरेशन इंटरनेशनल डेस एचेक्स मास्टर की उपाधि मिली। प्रगनानंदा 10 साल की उम्र में 2016 में शतरंज के सबसे युवा इंटरनेशनल मास्टर बने थे। वे 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए। इससे पहले, वे 2016 में यंगेस्ट इंटरनेशनल मास्टर बनने का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। तब वे 10 साल के ही थे। चेस में ग्रैंडमास्टर सबसे ऊंची कैटेगरी वाले खिलाड़ियों को कहा जाता है। इससे नीचे की कैटेगरी इंटरनेशनल मास्टर की होती है।भारत के टॉप चेस प्लेयर्स में शुमार डी गुकेश, मैग्नस कार्लसन को एक महीने में दो बार हरा चुके हैं।गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में हराया था। इसके बाद 2 जुलाई को ग्रैंड चेस टूर्नामेंट में मात दी। वर्ल्ड चेस रैंकिंग में गुकेश छठे और भारत में तीसरे स्थान पर हैं।

जापान ओपन में भारतीय चुनौती समाप्तःसात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन प्री क्वार्टर में हारे; सिंधु पहले ही टूर्नामेंट से हो चुकीं है बाहर

नयी दिल्ली। टोक्यो में खेले जा रहे जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। मेंस डबल्स में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। वहीं, मेंस सिंगल्स में भी लक्ष्य सेन को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। जबकि पीवी सिंधु पहले ही विमेंस सिंगल्स में हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं। रेड्डी और शेट्टी को चाइनीज जोड़ी ने हराया रेड्डी और शेट्टी की जोड़ी राउंड ऑफ16 में चीन की लियांग वेई कांग और वांग चांग की जोड़ी से सीधे गेम में 24-22, 21-14 से हार गई। वहीं, इससे पहले बुधवार को कोरियाई जोड़ी डोंग-जू और कांग मिन ह्युक को 21-18 21-10 से हराया था। लक्ष्य को कोडाई नाराओका से हार का सामना करना पड़ा लक्ष्य सेन की भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों पर जापानी खिलाड़ी ने पारी फेर दिया। कोडाई नारोओका ने लक्ष्य को 21-19 , 21-11 से हराया। इससे पहले लक्ष्य ने पहले राउंड में चीनी खिलाड़ी वांग जिनसेंग को 21-11, 21-18 से हराया था।विमेंस सिंगल्स में पीवी सिंधु को कोरियाई खिलाड़ी सिम यू-जिन से पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। 37 मिनट तक चले इस मैच में दोनों ही गेम में कोरियाई खिलाड़ी हावी रहीं। उन्होंने पहले गेम में 21-15 और दूसरे में 21-14 से हराया।विमेंस डबल्स में हार वहीं विमेंस डबल्स रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की जोड़ी मंगलवार को शुरुआती दौर में ही जापान की कोकोना इशिकावा और मायको कावाज़ोई से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गई।

भारतीय विमेंस की वनडे सीरीज में जीत के साथ शुरुआतःपहले मुकाबले में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया; दीप्ति शर्मा के नाबाद 62 रन

नयी दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में जीत के साथ आगाज किया है। साउथैम्प्टन के रोज बाउल मैदान पर खेले गए पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 258 रनों का स्कोर बनाया था, जिसके बाद भारतीय टीम ने इस टारगेट को 48.2 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर हासिल करने के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ ने 8 के स्कोर पर एमी जोंस को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। जोंस केवल एक रन ही बना सकीं। फिर 20 के स्कोर पर दूसरी ओपनर टैमी ब्यूमोंट को भी गौड़ ने एलबीडब्लू कर इंग्लैंड का दूसरा विकेट लिया। इंग्लैंड की ओर से 50 रन से ऊपर तीन साझेदारी हुईं। टैमी ब्यूमोंट के आउट होने के बाद तीसरे विकेट के लिए स्किवर ब्रंट और एमा लैंब ने 87 गेंदों पर 71 रन की साझेदारी की। स्किवर ब्रंट ने 52 गेंदों पर 41 रन और एमा लैंब ने 50 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली। दोनों को स्नेह राणा ने पवेलियन भेजा। पांचवें विकेट के लिए सोफिया डंकली और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स ने 142 गेंदों पर 106 रनों की साझेदारी कर टीम का स्कोर 258/6 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। सोफिया डंकली ने छठे विकेट के लिए सोफी एक्लेस्टोन के साथ 37 गेंदों पर 55 रन की भी साझेदारी की। डंकली ने 92 गेंदों का सामना कर 83 रन बनाए। जबकि एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स ने 73 गेंदों पर 53 रन और सोफी एक्लेस्टोन ने 19 गेंदों पर नाबाद 23 रन की पारी खेली। भारत की ओर से स्नेह राणा और क्रांति गौड़ ने दो-दो विकेट लिए। अमनजोत कौर और श्री चरानी ने एक-एक विकेट लिए।भारत को स्मृति मंधाना और प्रतीक्षा रावल ने अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी हुई। मंधाना 28 रन बना कर कैच आउट हो गईं। रावल भी टीम के 94 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गईं। उन्होंने 51 गेंदों का सामना कर 37 रन बनाए। दोनों ओपनर के आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ाई गई, पर दीप्ति शर्मा ने पारी को संभाला। हरलीन देओल (27) रन बनाकर आउट हुईं और हरमनप्रीत कौर (13) को डीन ने ईं आउट किया। इसके बाद दीप्ति ने कमान संभाली। पहले पांचवें विकेट लिए रोड्रिक्स के साथ 86 गेंदों पर 90 रन की साझेदारी की और उसके बाद सावतें विकेट के लिए अमनजोत कौर के साथ 23 गेंदों में नाबाद 33 रन की पार्टनरशिप की। दीप्ति ने 52 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 64 गेंदों पर नाबाद 62 रन बनाए। वहीं, अमनजोत कौर ने 14 गेंदों का सामना कर 20 रन बनाए।

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्मयकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?र्जिंग पैड पर रखने

वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए हैं और उनको स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं।

हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

युद्धों के बावजूद इजराइल का बाजार मजबूत बना हुआ है

क्या आपको पता है 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमलों के बाद से दुनिया का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला प्रमुख शेयर बाजार कौन-सा है? इजराइल ?का! शुरुआती झटके के बाद उसका बाजार चार हफ्तों में पूरी तरह से उबर गया और तब से डॉलर के लिहाज से लगभग 80फीसदी ऊपर है। यह उछाल हाल में ईरान के साथ हुए युद्ध के दौरान भी जारी रहा, जबकि ज्यादातर भू-राजनीतिक विशेषज्ञों को लगा था कि व्यापक संघर्ष की उनकी आशंकाएं सच होने वाली हैं। वहीं शेयर बाजार लगातार यही संकेत दे रहा था कि संघर्ष जल्द ही समाप्त हो जाएगा और इजराइल सैन्य और आर्थिक दोनों ही रूपों में प्रबल होगा। यह संदेश मूल्य-आय अनुपातों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जो पिछले 21 महीनों में 40 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जबकि शेष विश्व में यह 20 प्रतिशत रहा। सऊदी अरब तथा यूएई के नेतृत्व वाले पड़ोसी खाड़ी बाजारों में भी मामूली गिरावट ही आई। गाजा से ईरान तक इजराइल द्वारा किए गए कई सैन्य हमलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय आलोचनाओं के बावजूद विदेशी खरीद में वृद्धि ने इसके शेयर बाजार में तेजी को बढ़ावा दिया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के मुश्किल हालात में स्थापित इजराइल उन कुछ देशों में से है, जो विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में आ गए हैं। लगभग 200 देशों में से कोई 40 को आईएमएफ द्वारा विकसित अर्थव्यवस्थाओं के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अग्रणी वैश्विक सूचकांक प्रदाता (एमएससीआई) द्वारा विकसित वित्तीय बाजारों के रूप में वर्गीकृत देशों की संख्या और भी कम है। इजराइल मध्य-पूर्व का एकमात्र देश है, जिसने विकास के इन मील के पत्थरों को पार किया है, और जो दोनों मोर्चों पर परिवर्तन करने वाला एकमात्र देश है। इसकी 550 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे बड़ी 30 अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इजराइल के कई संस्थापक प्रतिबद्ध समाजवादी थे। उन्होंने एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण शुरू किया था और नए प्रवासियों का उदारतापूर्वक स्वागत किया था, जिसके परिणामस्वरूप 1980 के दशक में वित्तीय संकट पैदा हुआ। स्कैंडिनेविया के वेलफेयर-स्टेट्स की तरह इस संकट ने उसे आर्थिक सुधारों, पूंजीवाद और अधिक राजकोषीय अनुशासन अपनाने के लिए मजबूर किया। सरकारी कंपनियों को बेच दिया गया, करों को सुव्यवस्थित किया गया और व्यापार के लिए सीमाएं खोल दी गईं। वर्ष 2000 के दशक की

शुरुआत से इजराइल ने सरकार के खर्च को जीडीपी के 50 से घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया है, और सार्वजनिक ऋण को जीडीपी के 90 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत से कम कर दिया है। सरकार ने कुछ स्मार्ट निवेश भी किए, जिससे वेंचर कैपिटल उद्योग को बढ़ावा मिला और तकनीकी क्षेत्र को गति मिली। आज इजराइल अपने जीडीपी का 6 प्रतिशत से भी ज्यादा रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च करता है- यह किसी भी अन्य देश से ज्यादा है और वैश्विक औसत से दोगुने से भी अधिक है। इस आर-एंड-डी का एक असामान्य रूप से बड़ा हिस्सा (लगभग आधा) विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों से आता है, जिनमें से कई रक्षा-संबंधी उद्योगों से जुड़ी हैं। इसी से आयरन डोम और इंटरसेप्टर रॉकेटों का जाल बनाया गया है, जिन्होंने कथित तौर पर 85 प्रतिशत से ज्यादा मिसाइलों और हाल के संघर्षों में इजराइल पर दागे गए ड्रोनों के एक बड़े हिस्से को नष्ट किया है। रक्षा क्षेत्र से प्राप्त लाभों ने इजराइल को हवाई यातायात नियंत्रण से लेकर साइबर सुरक्षा तक एक ग्लोबल-लीडर बना दिया है। किसी भी अन्य देश की तुलना में प्रति व्यक्ति अधिक स्टार्ट-अप के साथ इसकी व्यावसायिक संस्कृति मध्य-पूर्व के बजाय कैलिफोर्निया के ज्यादा करीब है। जनरेटिव एआई के उभरते क्षेत्र में इसके 73 स्टार्ट-अप्स हैं, जो दुनिया में तीसरे सबसे अधिक हैं। इसके निर्यात का आधा हिस्सा तकनीकी उत्पादों का है, जिसकी बराबरी कुछ ही उन्नत अर्थव्यवस्थाएं कर सकती हैं। जबकि इसके पड़ोसी देश अभी भी तेल का ही निर्यात करते हैं। तकनीकी से संचालित इजराइल में प्रति व्यक्ति जीडीपी वर्ष 2000 से लगभग तिगुनी बढ़कर 55,000 डॉलर से अधिक हो गई है, जो अमेरिका के स्तर का 50 से 70 प्रतिशत है। जबकि सऊदी अरब की प्रति व्यक्ति जीडीपी अमेरिका की तुलना में एक-तिहाई ही है और 25 साल पहले की स्थिति के बराबर है। इजराइल की अर्थव्यवस्था के प्रति बाजार का आशावादी रुख अब विश्लेषकों के पूर्वानुमानों में दिख रहा है, जो आने वाले वर्षों में 4फीसदी की वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं। एक विकसित राष्ट्र के लिए यह अपेक्षाकृत मजबूत पूर्वानुमान है। (ये लेखक के अपने विचार हैं रुचिर शर्मा)

सरकारी बंगलों का मोह क्यों नहीं छोड़ पाते गणमान्यजन?

अगर भारत के मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आवास को खाली कराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को कार्यपालिका की मदद मांगनी पड़े तो यह एक उदास कर देने वाला परिदृश्य है। हाल ही में जब यह विवाद सामने आया तो पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सेवानिवृत्त होने के आठ महीने बाद भी बंगला खाली नहीं करने को लेकर यह दलील दी कि दो उनकी दो डिफ्रेंटली-एबल्ड बेटियों के लिए ए?के अनुकूल आवास ढूंढने में उनके परिवार को दिक्कत हो रही है। उनकी दोनों बेटियां व्हीलचेयर का सहारा लेती हैं, जिसके लिए विशेष रैम्प और चौड़े दरवाजों की दरकार है। जाहिर है कि दिल्ली में देश के शीर्ष-कुलीनों की आश्रयस्थली लुटियंस जोन के बाहर ऐसे लम्बे-चौड़े बंगले मिलना लगभग नामुमकिन है। पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ और उनके परिवार के प्रति पूरी सहानुभूति है। लेकिन यह सवाल पूछा जा सकता है कि अपने विशेष जरूरतों वाले परिवार के लिए उन्होंने पहले से ही उस दिन की तैयारी क्यों नहीं की, जब उन्हें रिटायर होने के बाद बंगला खाली करके सर्वोच्च अदालत के अपने उत्तराधिकारी को सौंपना था? लेकिन वे अकेले नहीं हैं। बहुत से केंद्रीय मं?त्री और सांसद भी अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी तब तक लुटियंस में बने रहते हैं, जब तक कि उनसे बंगला खाली करने का आग्रह न किया जाए। रालोद के संस्थापक दिवंगत अजीत सिंह और लोजपा नेता चिराग पासवान का ही उदाहरण लीजिए। उन्होंने भी बंगला खाली करने से

इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि इन बंगलों को उनके लोकप्रिय पिताओं के स्मारक के तौर पर परिवर्तित कर दिया जाए। जहां अजीत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पुत्र थे, वहीं चिराग पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के बेटे हैं। बड़े नाटकीय हालात निर्मित होने के बाद उन्हें घर खाली करना पड़ा। हालांकि चिराग पासवान उसके बाद एनडीए में शामिल होकर मंत्री बने और उन्होंने लुटियंस में फिर से जगह मिल गई। पूर्व शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक अपनी गाय-भैंसों के साथ बंगले में रहते थे। लेकिन मंत्रिमंडल से छुट्टी होने के छह माह बाद सरकार को ही हाउसिंग अधिकारियों को भेजकर उन्हें वहां से निकलवाना पड़ा। मजे की बात है कि उस बंगले पर संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की भी नजर थी। उन्होंने इसका कारण इस बंगले से भावनात्मक लगाव होना बताया, क्योंकि जब उनके पिता दिवंगत माधवराव सिंधिया कांग्रेस सरकार में मंत्री थे तो ज्योतिरादित्य इसी बंगले में पले-बढ़े थे। उन्होंने जैसे-तैसे यह बंगला अपने नाम आवंटित भी करा लिया। हालांकि निशंक के बंगला खाली करने और उसकी साज-सज्जा पूरी होने तक उन्हें करीब एक वर्ष लुटियंस के बाहर रहना पड़ा। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद के पास आज कोई अधिकारिक पद नहीं है, लेकिन वे अभी तक सरकारी बंगले में जमे हुए हैं। माना जा सकता है कि कांग्रेस छोड़ने के बाद राहुल गांधी की लगातार आलोचना करने के लिए उन्हें यह उपहार दिया गया है! यकीनन, लुटियंस के बंगलों का अपना एक सम्मोहन है। एक बार कोई वहां आया तो उसे छोड़ना नहीं चाहता। आखिरकार इस जोन में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सत्ताधारी दल के अति-महत्वपूर्ण लोग जो रहते हैं। औपनिवेशिक काल के इन महलनुमा बंगलों में बड़े-बड़े हरी घास के गलीचे हैं।सड़कों पर कतारबद्ध घने पेड़ और गोलाकार सर्कल हैं, जो वसंत में अनेक रंग के फूलों से भर जाते हैं। जहां शेष दिल्ली की जनता टूटी सड़कों, पानी की किल्लत, कचरे की दुर्गंध, चोरी और अन्य अपराधों से जूझती है, वहीं लुटियंस में केंद्रीय सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस की हमेशा चौकीदारी रहती है। दुनिया के कुछ ही ऐसे लोकतांत्रिक गणराज्य हैं, जिन्होंने अपने मंत्रियों, सांसदों, जजों और शीर्ष अधिकारियों के लिए इस तरह से किराया-मुक्त आवासीय क्षेत्र बना रखे हैं। इस तरह के विशेषाधिकारों से एक अभिजात्य-मानसिकता पैदा होती है। सत्ताधारियों में अधिकार-सत्ता का भाव उत्पन्न होता है। वहीं लुटियंस की किलेबंदी में समानता का सिद्धांत पूर्णतः लुप्त हो जाता है। पूर्व सीजेआई के मामले ने लुटियंस नामक इस औपनिवेशिक स्थान को लेकर पुरानी बहस को फिर से जन्म दे दिया है। दुःखद है कि राजधानी में कुछ सड़कों के नाम जरूर बदल दिए गए हैं, लेकिन अंग्रेजों द्वारा बसाई गई नई दिल्ली को नए नजरिए से विकसित करने की इच्छाशक्ति कभी नहीं दिखाई गई है। लुटियंस में बैरिकेडिंग और बढ़ती सुरक्षा के चलते सार्वजनिक स्थान सिकुड़ते जा रहे हैं। इंडिया गेट पर भी अब खाना, चटाई और पालतू जानवर तक ले जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। लुटियंस जोन से आम आदमी बहुत दूर है! (ये लेखिका के अपने विचार हैं आरती जेरथ)

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजाइन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकोनॉमी अथॉरिटी (एनटीईए)

स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विज़न' ऐतिहासिक दस्तावेज है। ये रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान न करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की संकेत दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया।

लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे।

हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं हैं। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

जहां नैतिक कहानियां होंगी, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं, नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था,

क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है। आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी कहानी' हुआ करता था। हमने किस दिन कैसा व्यवहार किया है, इसी के आधार पर हमारे बड़े हमें कोई न कोई कहानी सुनाते थे। शनिवार को हम दोनों कजिन्स को यह कहानी याद आई और हम हंस पड़े क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी प्रशासन ने शुक्रवार को जनवरी 2026 से प्रभावी होने जा रहा 250 डॉलर (21,450 रुपए) का वीज़ा इंटेग्रिटी शुल्क लगा दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि यह शुल्क केवल कुछ शर्तों पर ही वापस किया जा सकता है, जिसमें वीज़ा की शर्तों का पूरा पालन और वीज़ा की समाप्ति के पांच दिनों के भीतर प्रस्थान शामिल है। याद रखें, यह हर आवेदक से उसके अच्छे व्यवहार के लिए सुरक्षा जमा राशि जमा करने के लिए कहने जैसा है। मुझे यह सोचकर डर लग रहा है कि क्या रेलवे और अस्पताल भी कल से रिफंडेबल इंटेग्रिटी शुल्क तो नहीं मांगने लगेंगे? फंडा यह है कि हम अपनी महान नैतिक कहानियों को खत्म न होने दें। दूसरा वाक्य बदलें और अपने बच्चों को उनके जीवन के पहले 13 वर्षों तक हर रोज सोने से पहले नई, कल्पनाशील कहानियां सुनाएं, ताकि एक हाई इंटेग्रिटी वाली नई दुनिया उभरे और सरकारें इंटेग्रिटी फीस लगाने की हिम्मत न करें।

'प्रोफेसर सेक्शुअली हैरेस करते थे,शिकायत की तो प्रिंसिपल बोले-सबूत लेकर आओ',ओडिशा स्टूडेंट सुसाइड केस, पिता बोले-क्लास में बेइज्जती करते थे एचओडी

वो डांस, ड्रामा और कराटे सब करती थी। कई जगहों पर उसे बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड भी मिला।' शिकायत को लेकर वे कहते हैं, 'अपराजिता ने लगभग 6 महीने पहले हमें प्रोफेसर की हरकतों के बारे में बताया था। उसने बताया कि उसे परेशान किया जा रहा है। इसके बाद मैंने अपने बेटे के साथ कॉलेज जाकर मामले में शिकायत भी की थी। प्रिंसिपल को सारी बात बताई।' 'मुझे अप्रैल में ही उसकी दोस्त ने बताया कि अपराजिता के साथ कुछ गलत हो रहा है। प्रोफेसर उसे जानबूझकर क्लास से निकाल देता था। अगर वो क्लास के लिए एक मिनट भी लेट हो जाए तो सबके सामने बेइज्जती करता था। मेरी बेटी को मेंटली और फिजिकली दोनों तरह से टॉर्चर किया जा रहा था। ये सुनकर जब मैं उससे मिलने पहुंचा तो वो कॉलेज की कैंटीन में बैठी रो रही थी। उसने अपने साथ हो रही हिंसा और शोषण के बारे में बताया। 'विक्टिम के पिता आगे बताते हैं, 'मैंने प्रिंसिपल को इसकी जानकारी भी दी, लेकिन इसे मामूली सी बात कहकर टाल दिया गया। हालांकि, मास्टर की हरकतें रुकी नहीं। मैं फिर से प्रिंसिपल से मिला। तब उन्होंने मुझे सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया, तब मैं घर लौटा।' 'अपराजिता ने प्रिंसिपल का रवैया देखकर कॉलेज की इंटरनल कंप्लेंट कमेटी से भी शिकायत की। कमेटी ने मुझे, मेरी बेटी और प्रोफेसर को बयान के लिए बुलाया भी था। हालांकि, मेरी बेटी समझ चुकी थी कि कमेटी भी प्रोफेसर का फेवर करने और उसे क्लीनचिट देने के लिए बनाई गई है। यहां से इंसाफ नहीं मिलने वाला है।'विक्टिम के पिता इन सबके लिए कॉलेज के प्रिंसिपल और प्रोफेसर समीर को कसूरवार मानते हैं। वे कहते हैं, 'इन लोगों ने मिलकर मेरी बेटी का मर्डर किया है और इन्हें सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। मेरी बेटी ने जान दे दी, लेकिन कॉलेज में अब भी कई स्टूडेंट्स ये सब झेल रही हैं। सरकार को इनके बारे में सोचना चाहिए।' वे आगे कहते हैं, 'ये सब होने से एक दिन पहले ही मेरी अपराजिता से फोन पर बात हुई थी। मैं उसे अगले दिन अपने साथ ले जाने वाला था।'वहीं अपराजिता की दादी कहती हैं, 'हमने अपनी बेटी को बाहर बड़े कॉलेज में पढ़ने भेजा। उसने इतनी पढ़ाई-लिखाई की, लेकिन सब बेकार हो गया। वो अक्सर घर आया करती थी। अभी आखिरी बार बाहुड़ा यात्रा के दिन आई थी, जिस दिन भगवान जगन्नाथ की वापसी होती है।' 'इस बार भी खुशी-खुशी घर से पढ़ने के लिए गई थी, लेकिन इस बार वो नहीं उसकी लाश आई। मेरी बेटी की शिकायत को कॉलेज ने सुना ही नहीं इसीलिए ऐसी घटना हुई।' विक्टिम की दोस्त की बोली- अपराजिता जान गई थी कि केस उसके खिलाफ जा रहा हमने कॉलेज में अपराजिता की दोस्त रहीं कशिश से भी बात की। दोनों कॉलेज के पहले से एक दूसरे को जानते थे। दोनों ने एक साथ सेल्फ डिफेन्स की ट्रेनिंग ली थी। हमने पूछा क्या अपराजिता ने कभी आपसे इन परेशानियों का जिक्र किया था? इस पर कशिश कहती हैं, 'अपराजिता ने बताया था कि क्लास में उसे परेशान किया जा रहा है। मैंने ज्यादा सीरियसली नहीं लिया। मुझे लगा कि थोड़ी बहुत कुछ दिक्कत आ रही होगी।' 'मामला जब थोड़ा सीरियस लगा तो घटना से 15 दिन पहले अपराजिता के साथ हम करीब 10 स्टूडेंट्स प्रिंसिपल से शिकायत करने गए। उन्होंने कहा कि इस मामले में कार्रवाई के लिए उन्हें कुछ वक्त और चाहिए।' 'हैरान करने वाली बात ये थी कि मुख्य आरोपी समीर राजन साहू के समर्थन में कॉलेज के 100 से ज्यादा लोग थे। वो अपराजिता के कैरेक्टर पर सवाल उठाने लगे। हालांकि, अब वही लोग कह रहे हैं कि उसे न्याय नहीं दिला पाए।' घटना वाले दिन आपकी अपराजिता से क्या बात हुई थी। इस पर कशिश कहती हैं, 'घटना से 45 मिनट पहले ही मेरी उससे बात हुई थी। वो बिल्कुल नॉर्मली बात कर रही थी। उसने मुझसे कहा था कि तुम लंच करके आओ। फिर हम इस केस को लेकर प्रिंसिपल से दोबारा बात करेंगे। मैं लंच करने गई और तभी मेरे जाते ही उसने इस तरह का कदम उठा लिया।' 'हमें पता चला है कि हमारे जाने के बाद प्रिंसिपल ने उसे बुलाकर कहा था कि मामला उसके खिलाफ जा रहा है। अगर वो साहू के खिलाफ सबूत लाकर दे सके, तभी कुछ एक्शन हो सकता है। अपराजिता इस बात से भी परेशान थी कि जूनियर स्टूडेंट्स उसके कैरेक्टर को लेकर बातें कर रहे थे और अफवाह फैला रहे थे। सोशल मीडिया पर उसके खिलाफ ट्वीट किए जा रहे थे।'घटना पर कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल और आरोपी दिलीप कुमार घोष ने अरेस्ट होने से पहले कहा था- '30 जून को मेरे पास एचओडी समीर राजन साहू के खिलाफ शिकायत आई थी। कुछ स्टूडेंट्स ने बताया कि समीर उनका मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। एक लड़की ने यहां तक कहा था कि गार्डन के पास शिक्षक ने फिजिकल रिलेशन बनाने की मांग की थी। उसी दिन स्टूडेंट्स ने घेराव किया था और पुलिस को बुलाया गया था।' प्रिंसिपल ने कहा कि स्टूडेंट्स की मांग पर हमने इंटरनल कंप्लेंट कमेटी बनाई थी। इसमें सीनियर महिला टीचर, प्रतिनिधि और कुछ बाहरी मेंबर थे। कमेटी ने 7 दिन में रिपोर्ट दी थी। हालांकि, कुछ स्टूडेंट तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे थे। '12 जुलाई को स्टूडेंट मुझसे मिलने आई, मैंने 20 मिनट तक उसे समझाया, लेकिन वो कहने लगी कि अब और इंतजार नहीं कर सकती और यहां से चली गई। करीब 15-20 मिनट बाद पता चला कि उसने खुद को आग लगा ली है।' मामला सामने आने के बाद ओडिशा सरकार ने इस मामले में कॉलेज प्रशासन की गंभीर लापरवाही मानते हुए प्रिंसिपल घोष को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। सरकार के जारी आदेश में कहा गया है कि प्रिंसिपल घोष बिना अनुमति शहर नहीं छोड़ सकते हैं। इसके बाद 14 जुलाई को बीएनएस की धारा 75(2), 78(2), 79, 351(2), 108, 238, 61(2) के तहत उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। प्रिंसिपल इंचार्ज फिरोज कुमार से बात की। वो इसे दुखद घटना बताते हुए कहते हैं, 'हमें इस घटना की जानकारी पीड़िता के अस्पताल में भर्ती होने के बाद मिली। आईसीसी के निर्देशों के मुताबिक, जब भी कॉलेज प्रशासन के पास यौन उत्पीड़न का कोई मामला आता है, तो उस पर तुरंत एक्शन लेना पड़ता है।' 'विक्टिम और आरोपी के बयान लिए जाते हैं। एविडेंस जुटाए जाते हैं। इन्वेस्टिगेशन किया जाता है। उसके बाद फाइंडिंग की रिपोर्ट और सुझाव दिए जाते हैं। सुझावों पर एक्शन लेने का काम विभाग का होता है। इस कमेटी में सीनियर प्रोफेसर होते हैं। दो नॉन-टीचिंग स्टाफ होता है। एक री साइडिंग और एक्सटर्नल अफसर भी होता है।' 'कुछ मामलों में स्टूडेंट्स को भी शामिल किया जाता है। अगर विक्टिम आईसीसी के फैसले से खुश न हो तो पीड़ित पुलिस में भी शिकायत कर सकता है। इस मामले में कमेटी को जांच के लिए 15 दिन का वक्त दिया गया था। कमेटी ने रिपोर्ट भी सौंप दी है।' इसके बाद हमने आईसीसी मेंबर मिनाती सेठी से बात की। मिनाती ने विक्टिम के आरोप तो कन्फर्म किए, लेकिन ये भी बताया कि आरोपी के खिलाफ कोई सीधा सबूत नहीं मिला। उन्होंने बताया- 'कमेटी ने आरोपी प्रोफेसर के व्यवहार की जांच के लिए विभाग के करीब 60 स्टूडेंट्स का इंटरव्यू लिया। अन्य किसी भी स्टूडेंट ने आरोपों की पुष्टि नहीं की।' 'सबूतों की कमी के बावजूद आईसीसी ने स्टूडेंट्स के लिए सुरक्षित माहौल बनाने के लिए समीर राजन साहू को एचओडी पद से तत्काल हटाने की सिफारिश की। 9 जुलाई को कमेटी ने तत्कालीन प्रिंसिपल दिलीप घोष को इसकी एक डिटेल रिपोर्ट सौंपी, जिसमें तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

बिहार में 125 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी,चुनाव से पहले सीएम नीतीश का ऐलान,1 अगस्त 2025 से मिलेगा फायदा

लगे बीएलओ-सुपरवाइजर को सालाना मानदेय के अलावा 6000 रुपए देने के फैसले को मंजूरी मिली है। 2. 8 हजार से ज्यादा पंचायतों में मैरिज हॉल बनेंगे चुनावी साल में नीतीश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह कार्यक्रम में सुविधा के लिए करीब 8 हजार से ज्यादा पंचायतों में विवाह भवन का निर्माण कराने का फैसला लिया है। इसका नाम विवाह मंडप योजना दिया गया है। इसके लिए सरकार ने 40 अरब 26 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इन विवाह भवनों का संचालन जीविका दादियों की तरफ से किया जाएगा। 3. सरकारी नौकरी में डोमिसाइल पॉलिसी लागू, राज्य की महिलाओं को 35फीसदी आरक्षण मिलेगा बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए डोमिसाइल पॉलिसी लागू कर दी है। अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। बिहार की बाहर की महिलाओं को जनरल कैटेगरी में जोड़ा जाएगा।पहले दूसरे राज्यों की महिलाओं को भी 35फीसदी आरक्षण का लाभ मिलता था। अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को फायदा मिलेगा।4. बिहार के 1 लाख युवाओं पर 686 करोड़ रुपए खर्च होंगे, इंटर्नशिप के लिए मिलेंगे 6 हजार बिहार सरकार ने 18 से 28 साल के एक लाख से ज्यादा युवाओं को मंथली 4 से 6 हजार रुपए मंथली इंटर्नशिप दी जाएगी। इन युवाओं को आर्थिक सहायता के साथ-साथ बिजनेस की ट्रेनिंग देने के लिए नीतीश कैबिनेट मुख्यमंत्री-प्रतिज्ञा योजना को मंजूरी दी है। 5. 'दीदी की रसोई' में 40 की जगह 20 रुपए में मिलेगी थाली- सरकार की तरफ से सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पतालों और सरकारी संस्थानों में 'दीदी की रसोई' से 40 रुपए प्रति थाली में भोजन उपलब्ध कराया जाता है। बिहार सरकार ने चुनाव साल में इसका रेट कम कर दिया। 40 रुपए की थाली अब 20 रुपए में देने का फैसला लिया गया है। 20 रुपए प्रति थाली की क्षतिपूर्ति राज्य सरकार की तरफ से जीविका को उपलब्ध कराई जाएगी।6. नई बस खरीदने पर 20 लाख देगी सरकार राज्य सरकार ने फैसला किया है कि अगर कोई निजी बस ऑपरेटर अन्तरराज्यीय मार्गों के लिए नई एसी बस खरीदेगा, तो सरकार उसे हर बस पर 20 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि देगी। 150 बसों के लिए कुल 30 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। साथ ही योजना को सही तरीके से चलाने के लिए 60 लाख रुपए अतिरिक्त खर्च करने की मंजूरी भी दी गई है। कुल खर्च 30.60 करोड़ रुपए होगा। 7. गुरु-शिष्य परंपरा योजना भी मंजूर की गई- कैबिनेट ने विलुप्त हो रही लोक कलाओं को बचाने के लिए मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना को भी मंजूरी दी है। गुरु को 15000, संगीतकार को 7500 और शिष्य को 3000 मासिक मानदेय दिया जाएगा। सरकार ने विलुप्त हो रही लोक कलाओं को बचाने के लिए योजना बनाई है। इसके तहत लोक गाथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य, लोक संगीत, वाद्य यंत्र, शास्त्रीय कला और चित्रकला जैसी विधाओं को संरक्षित करने के लिए परंपरागत तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा।8. दिव्यांग के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना चुनावी साल में बिहार सरकार ने एक नई योजना शुरू की है, जिसका नाम दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना है। इसका लाभ दिव्यांग पुरुष पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग अभ्यर्थियों को मिलेगा। हालांकि, ये सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें राज्य की किसी दूसरी सिविल सेवा तैयारी योजना से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में बीपीएससी या यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेते हैं, तो उन्हें मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार रुपए और इंटरव्यू की तैयारी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

अलास्का में 7.3 तीव्रता का भूकंप, एक हफ्ते में 400 भूकंप दर्ज किए गए,सुनामी की चेतावनी वापस ली गई

जूनो। अमेरिकी राज्य अलास्का में गुरुवार तड़के करीब 2 बजे (भारतीय समयानुसार) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.3 रही। इसके बाद राज्य के तटवर्ती इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ घंटों बाद इसे वापस ले लिया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप अलास्का के पॉपोफ आइलैंड पर सैंड पॉइंट के पास आया। इसका केंद्र जमीन से 36 किलोमीटर नीचे था। हालांकि, इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अलास्का भूकंप एजेंसी के मुताबिक यहां एक सप्ताह में, लगभग 400 भूकंप दर्ज किए गए। सबसे बड़ा भूकंप 16 जुलाई को अटका के पास 5.1 तीव्रता का था। मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के अनुसार, 7.0 से 7.9 तीव्रता वाला भूकंप नुकसान पहुंचाने में सक्षम माना जाता है। अलास्का में हर साल लगभग 10-15 ऐसे भूकंप दर्ज किए जाते हैं।भूकंप के बाद, सुनामी चेतावनी प्रणाली ने अलास्का के कुछ तटीय हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि सैंड पॉइंट के दक्षिण में आया यह भूकंप प्रशांत और उत्तर अमेरिकी प्लेटों के बीच सबडक्शन जोन पर या उसके पास थ्रस्ट फॉल्टिंग के कारण हुआ।अलास्का अमेरिका का भूकंपीय रूप से सक्रिय राज्य है, जहां दुनिया के लगभग 11फीसदी भूकंप और पूरे अमेरिका के 17.5फीसदी भूकंप आते हैं। अलास्का पैसेफिक रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, जो लगातार आने वाले भूकंपों और सक्रिय ज्वालामुखियों के लिए जाना जाता है। अलास्का में मार्च 1964 में 9.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जो उत्तरी अमेरिका में अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इस भूकंप ने एंकोरेज शहर को तबाह कर दिया। बाद में एक सुनामी आई, जिससे अलास्का की खाड़ी, अमेरिका के पश्चिमी तट और हवाई इलाके को तबाह कर दिया।

नाना पटोले बोले- 72 से ज्यादा ऑफिसर हनीट्रैप में फंसे,पेन ड्राइव में सारे सबूत, सरकार ने कार्रवाई नहीं की तो पब्लिक करेंगे

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रदेश में सामने आए हनीट्रैप कांड में राज्य के मंत्री, सीनियर आईएएस और आईपीएस ऑफिसर शामिल हैं। सरकार जो आंकड़ा बता रही है, वह 72 पर नहीं रुकता। असल में यह कहीं ज्यादा है। पटोले ने कहा- मेरे पास पेन ड्राइव में सारे सबूत हैं। हम किसी का निजी चरित्र हनन नहीं करना चाहते, इसी वजह से अब तक इसे पब्लिक नहीं किया है। सरकार ने कार्रवाई नहीं की तो विपक्ष इसे जनता के सामने लाने को मजबूर होगा। इससे पहले इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट में बुधवार को दावा किया गया था कि महाराष्ट्र के कई सीनियर अधिकारियों ने एक महिला पर हनीट्रैप में फंसाकर वसूली का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में ठाणे के दो सीनियर पुलिस अफसरों ने शिकायत दर्ज कराई कि एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाने की धमकी देकर उनसे 40-40 लाख रुपए की मांग की थी। मामले में सरकार पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाकर विपक्षी दलों ने विधानसभा से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने बुधवार को मामले की जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की थी। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सरकार से मामले में कार्रवाई करके सदन को जवाब देने के लिए कहा था।पटोले ने गुरुवार को दोबारा यह मामला उठाया। इस पर स्पीकर ने शुक्रवार को सत्र खत्म होने से पहले कार्रवाई करके सदन को जानकारी देने के लिए कहा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।वहीं, विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार संवेदनशील विषय पर ढीलापन दिखा रही है। इसके चलते विपक्षी विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।पूरा मामला साल 2016 से शुरू होता है। इस साल ठाणे में एक महिला को क्राइम ब्रांच ऑफिसर जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों से मदद मांगने के लिए वह खुद को एक परेशान पूर्व पुलिसकर्मी या विधवा बताती थी।इंडिया टुडे के मुताबिक सेशन कोर्ट और बॉम्बे हाईकोर्ट में जमा किए गए डोजियर से पता चलता है कि महिला कई अधिकारियों पर बलात्कार के आरोप लगा चुकी थी। बाद में मोटी रकम लेकर उसने केस वापस ले लिया या समझौता कर लिया। विश्वास जीतने के लिए वॉट्सऐप पर बातें करती, वीडियो कॉल करती और मिलने भी जाती थी। मुलाकातों के दौरान वह चुपचाप आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड कर लेती थी। इन्हीं रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल वह अधिकारियों को धमकाकर पैसे वसूलने के लिए करती थी।एक मामले में महिला ने एक आईपीएस ऑफिसर को मदद के बहाने होटल के कमरे में बुलाया। अंदर घुसते ही उसने अपने कपड़े उतार दिए और चुपके से बातचीत रिकॉर्ड कर ली। बाद में फुटेज का इस्तेमाल जबरन वसूली के लिए किया। एक अन्य मामले में एक बड़े अफसर की पत्नी को महिला को पैसे देने पड़े, ताकि उसके पति पर बलात्कार का केस दर्ज न हो। मन मुताबिक रकम मिलने के बाद महिला समझौता कर लेती थी। अधिकारी समाज में बदनामी और नौकरी जाने के डर से चुप ही रह जाते थे। आधिकारिक कागजात बताते हैं कि इस महिला का जाल मुंबई, ठाणे, पुणे और नासिक जैसे बड़े शहरों तक फैला था। जिन लोगों को उसने शिकार बनाया है, उनमें महाराष्ट्र पुलिस के तीन डीसीपी, कई आबकारी अधिकारी, सीनियर इंस्पेक्टर और असिस्टेंट कमिश्नर भी शामिल हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद महिला ने नई और झूठी पहचान से अपने गलत काम जारी रखे। अधिकारियों के मुताबिक कई मामलों की जांच चल रही है। हालांकि, अभी और भी पीड़ित सामने आ सकते हैं।

एमएनएस कार्यकर्ताओं ने मुंबई में दुकानदार से मारपीट की,इलाके में घुमाया, माफी मंगवाई, मराठी लोगों पर आपत्तिजनक पोस्ट की थी

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ताओं ने मुंबई में एक दुकानदार के साथ मारपीट की। कार्यकर्ताओं ने पूरे इलाके में घुमाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दुकानदार हाथ जोड़कर माफी मांगता दिख रहा है। ठाणे जिले में हिंदी भाषी ऑटो ड्राइवर का एक मराठी पैसेंजर से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। बात मारपीट तक पहुंच गई। इस विवाद में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) कार्यकर्ताओं ने दखल दिया। भिवंडी नगर अध्यक्ष मनोज गुलवी ने 9 जुलाई को ड्राइवर को माफी मांगने पर मजबूर किया। गुलवी ने धमकी दी कि आगे अगर किसी किसी मराठी युवक को छूने की कोशिश की, तो देख लेना हाथ कहां जाएगा।एमएनएस कार्यकर्ताओं ने 5 जुलाई को शेयर बाजार इन्वेस्टर सुशील केडिया के वर्ली स्थित ऑफिस में तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने मामले में 5 लोगों को हिरासत में लिया था। हमला उद्धव और राज ठाकरे की संयुक्त रैली के कुछ घंटे पहले हुआ था। हमला केडिया की 3 जुलाई एक्स पोस्ट को लेकर हुआ था। उन्होंने एमएनएस चीफ राज ठाकरे को टैग करते हुए लिखा था- 'मुंबई में 30 साल रहने के बाद भी मैं मराठी ठीक से नहीं जानता और आपके घोर दुर्व्यवहार के कारण मैंने यह संकल्प लिया है कि जब तक आप जैसे लोगों को मराठी मानुष की देखभाल करने का दिखावा करने की परमिशन नहीं दी जाती, मैं प्रतिज्ञा लेता हूं कि मैं मराठी नहीं सीखूंगा। क्या करना है बोल?' ठाणे में ही एमएनएस कार्यकर्ताओं ने गुजराती दुकानदार से मारपीट की थी। बहस दुकानदार के मराठी न बोलने पर हुई थी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो 30 जून का था। कार्यकर्ता ने दुकानदार से कहा कि तुमने मुझसे पूछा कि मराठी क्यों बोलनी चाहिए? जब तुम्हें परेशानी थी, तब तुम एमएनएस ऑफिस आए थे।दुकानदार ने जवाब में कहा कि उसे नहीं पता था कि मराठी बोलना अब जरूरी हो गया है। इस पर एक कार्यकर्ता गाली देते हुए दुकानदार को धमकाता है कि उसे इस इलाके में कारोबार नहीं करने दिया जाएगा। बहस के दौरान दुकानदार से मारपीट की गई थी। जब दुकानदार पूछता है कि उसे मराठी सीखनी पड़ेगी, तो एक कार्यकर्ता कहता है, 'हां, ऐसा कहो। लेकिन ये क्यों पूछ रहे हो कि मराठी क्यों सीखनी चाहिए? ये महाराष्ट्र है। महाराष्ट्र में कौन-सी भाषा बोली जाती है?' दुकानदार कहता है- 'सभी भाषाएं', तो एक कार्यकर्ता उसे थप्पड़ मार देता है। फिर कार्यकर्ता दुकानदार को दो बार थप्पड़ मारता है। दुकानदार कुछ समझाने की कोशिश करता है, लेकिन उसे चार बार और थप्पड़ मारे जाते हैं।

कार्यकर्ता बुधवार को विक्रोली इलाके स्थित दुकान पर पहुंचे और दुकानदार से गाली-गलौच की। दुकानदार को धमकाकर माफी मंगवाई और पकड़कर

सोना तस्करी मामले में रान्या राव को नहीं मिली जमानत

नयी दिल्ली।कन्नड़ फिल्म एक्ट्रेस रान्या राव को सोना तस्करी मामले में

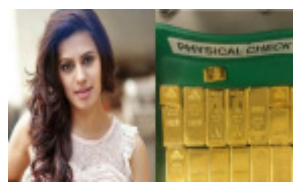

एक साल की सजा सुनाई गई है। बुधवार को यह आदेश विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम के तहत सलाहकार बोर्ड ने जारी किया।टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने रान्या को सजा की पूरी अवधि के दौरान जमानत का अधिकार नहीं दिया है।बता दें कि इससे पहले 20 मई को बेंगलुरु की एक अदालत ने रान्या और सह-आरोपी तरुण राजू को प्रक्रिया संबंधी आधार पर डिफॉल्ट जमानत दी थी।जिसका कारण ये था कि डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस यानी डीआरआई तय समय मे चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाया था।अदालत ने दोनों को 2 लाख रुपये के बॉन्ड और दो जमानती शर्तों पर डिफॉल्ट जमानत दी थी। उन्हें देश छोड़ने और अपराध दोहराने से भी मना किया गया था। हालांकि, जमानत मिलने के बावजूद रान्या और तरुण को हिरासत में रखा गया। COFEPOSA कानून के तहत सिर्फ शक के आधार पर एक साल तक की रोकथामात्मक हिरासत दी जा सकती है। रान्या राव मार्च 2025 को बैंगलोर के केंपगौड़ा एयरपोर्ट पर करोड़ों के गोल्ड के साथ पकड़ाई थीं। उनके पास से दुबई से लाया गया 14.2 किलोग्राम सोना बरामद हुआ था। अदालत के दस्तावेजों के मुताबिक, रान्या की जमानत याचिकाएं पहले कई बार खारिज हो चुकी हैं। 14 मार्च को विशेष आर्थिक अपराध अदालत, 27 मार्च को सेशंस कोर्ट और 26 अप्रैल को कर्नाटक हाईकोर्ट ने याचिका नामंजूर की थी।कन्नड़ एक्ट्रेस और सीनियर पुलिस ऑफिसर के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या 3 मार्च को बैंगलोर के केंपगौड़ा एयरपोर्ट पर उतरी थीं।

रवि किशन हुए 56 के, रामलीला में सीता बने तो पिता ने पीटा,रु500 लेकर पहुंचे मुंबई, कर्ज लेकर अस्पताल से डिस्चार्ज कराई बेटी, आज नेटवर्थ रु43 करोड़

मुंबई। एक्टर रवि किशन की गिनती आज देश के उन एक्टर्स में होती है जिन्होंने बचपन से ही बहुत संघर्ष और गरीबी देखी, लेकिन उसका डटकर सामना कर अपनी मेहनत और कला से घर-घर में पहचान बनाई और करियर में एक बड़ा मुकाम हासिल किया। एक्टिंग को लेकर पिता से पिटाई हुई तो रवि किशन सिर्फ 500 रुपए लेकर मुंबई पहुंच गए। जेब में पैसे नहीं होते थे, तो कई बार वड़ा पाव खाकर और चाय पीकर दिन काटे। हिंदी फिल्मों में काम पाने के लिए दर-दर भटके, लेकिन बड़े मौके नहीं मिले। फिर मां ने सलाह दी कि अपनी भाषा यानी भोजपुरी में फिल्में करो। बस मां की इस सलाह ने रवि किशन की जिंदगी बदल दी और भोजपुरी फिल्मों में आते ही वो बड़े स्टार बन गए। रवि किशन के 56वें जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़े कुछ और किस्से- रवि किशन का असली नाम रविन्द्र किशन शुक्ला है। उनका जन्म 17 जुलाई 1969 को मुंबई (तब बॉम्बे) में हुआ। उनका परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले का है। रवि ने अपने बचपन के कुछ दिन मुंबई में गुजारे और फिर स्थिति खराब हुई तो परिवार वापस गांव चला गए। वे पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे हैं।घर की आर्थिक हालत कमजोर थी। उनका बचपन मिट्टी के घर में गुजरा और कई बार पूरे परिवार को एक वक्त का खाना भी बड़ी मुश्किल से मिलता था। यहां तक कि एक खिचड़ी में 12 लोग खाते थे।रवि किशन ने कई इंटरव्यू में बताया है कि वो बचपन में मंदिर से चोरी किया करते थे। वह हनुमान जी के मंदिर जाया करते थे। शनिवार को वहां भीड़ ज्यादा होती थी, लोग तिलक पर सिक्के चिपकाते थे। वह चुपके से वहां से एक-दो सिक्के निकाल लेते थे। रवि अपने पिताजी की दूध की दुकान से भी पैसे चुराते थे। एक्टिंग के शौक के चलते पिता ने बहुत पिटाई की- रवि किशन को बचपन से एक्टिंग का शौक था। गांव में रामलीला में वो मां सीता का रोल निभाते थे और रोल के लिए साड़ी अपनी मां की पहनते थे। जब एक बार उनके पुजारी पिता ने उन्हें सीता के रोल में देखा तो उन्होंने बेल्ट से बहुत मारा जिससे उनकी चमड़ी छिल गई। जिसके बाद मां ने डरकर 500 रुपए दिए और उनसे कहा कि बेटा भाग जा, नहीं तो आज मारा जाएगा। अपनी जान बचाने के लिए वो घर से भागे और ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंच गए।मुंबई आने के बाद रवि किशन की असली परीक्षा शुरू हुई। फिल्मों में रोल पाने के लिए कई स्टूडियो के चक्कर काटते रहे। फिर उन्हें करीब 17 साल की उम्र में पहली फिल्म 'पीतांबर' मिली, जो फ्लॉप हो गई। इसके बाद उन्होंने 'आग का तूफान', 'रानी और महारानी', 'जख्मी दिल', 'उधार की जिंदगी,' जैसी फिल्मों में छोटे-मोट रोल किए।बता दें कि शुरुआती दौर में रवि किशन को कास्टिंग काउच का भी ऑफर मिला। एक महिला ने उन्हें रात में कॉफी पीने बुलाया था। जिसको लेकर उन्होंने कहा था- लोग कॉफी दिन में पीते हैं और वहां से निकल गए। उन्होंने साफ कह दिया था कि उन्हें ऐसे फिल्म नहीं चाहिए। फिल्म 'तेरे नाम' से रवि किशन को मिली पहचान- हिंदी फिल्मों में रवि किशन ने दर्शकों का ध्यान तब खींचा जब वो फिल्म 'तेरे नाम' में पंडित रमेश्वर के रोल में नजर आए थे। रवि किशन ने बताया था कि यह फिल्म उन्हें कैसे मिली। एक बार वे नितिन मनमोहन के ऑफिस में डायरेक्टर सतीश कौशिक से मिले। सतीश कौशिक ने कहा था कि उन्हें ऐसा लड़का चाहिए जो पंडित का किरदार निभाए और भूमिका चावला का मंगेतर बने। रवि किशन ने बिना देर किए हामी भर दी। उन्होंने बताया था कि सतीश कौशिक ने बाल कटवाने को कहा तो भी वे तुरंत तैयार हो गए। 'तेरे नाम' के लिए रवि किशन को नेशनल अवॉर्ड का नॉमिनेशन मिला था।रवि किशन ने भोजपुरी फिल्मों में आने को लेकर बताया था कि जब उन्हें 'सैयां हमार' नाम की भोजपुरी फिल्म ऑफर हुई थी तो शुरुआत में उन्हें लगा कि भोजपुरी फिल्म कौन देखेगा, क्योंकि उस समय भोजपुरी इंडस्ट्री लगभग बंद हो चुकी थी। फिर रवि किशन ने अपनी मां को गांव में फोन किया था और फिल्म को लेकर बात की थी। जिसके बाद मां ने उन्हें सलाह दी थी कि फिल्म कर लो, कोई नहीं देखेगा तो गांव के लोग ही देख लेंगे। मां की बात मानकर उन्होंने फिल्म साइन की और फिल्म बड़ी हिट हुई।भोजपुरी इंडस्ट्री में आते ही रवि किशन की किस्मत बदल गई। 'सैयां हमार', 'बांके बिहारी एमएलए' जैसी फिल्मों ने उन्हें बड़ा स्टार बना दिया। 2008 में ईटीवी भोजपुरी सिनेमा सम्मान में उन्हें 'मोस्ट पॉपुलर एक्टर' का अवॉर्ड मिला।रवि किशन की फिल्म 'जला देब दुनिया तोहरा प्यार में' को 2010 में कांस फिल्म फेस्टिवल के इंडिया पवेलियन में दिखाया गया। उनको अमिताभ बच्चन ने 'भोजपुरी का महानायक' कहा था।2008 में रवि किशन ने 'स्पाइडर मैन 3' को भोजपुरी में डब किया, जो किसी हॉलीवुड फिल्म का पहला भोजपुरी डब था। साथ ही में वो 2014 में तेलुगु फिल्म 'रेस गुर्रम' और 2017 में कन्नड़ फिल्म 'हेब्बुली' में नजर आए। एक समय एक्ट्रेस नगमा के साथ रवि किशन के अफेयर की चर्चा थी। हालांकि, रवि किशन ने हमेशा इसको खारिज किया। आप की अदालत में इस सवाल पर रवि किशन ने कहा था कि जब कोई किसी हीरोइन के साथ में झांकते हैं। उन्होंने साफ किया था कि ऐसा कुछ नहीं था। वे इसलिए बार-बार उन्हीं हीरोइनों के साथ फिल्में करते थे, क्योंकि उनकी फिल्में हिट होती थीं और सबको पता था कि वे शादीशुदा हैं।रवि किशन ने कई इंटरव्यू में यह बात मानी है कि सफलता मिलने के बाद उनको बहुत अंहकार हो गया था। यहां तक कि एक समय वो दूध से नहाते और गुलाब की पंखुड़ियों में सोते थे। उन्हें लगता था कि इससे चर्चा होगी। इसी वजह से अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में उन्हें नहीं लिया गया था। रवि किशन ने एक तेलुगु फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए एक हादसे का सामना किया था। उन्होंने फाइट मास्टर को जीप पलटने की चेतावनी दी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। जीप पलट गई। कुछ जूनियर फाइटर को बचाते हुए वे खुद जीप के नीचे आ गए। उनका कॉलर बोन और हाथ टूट गया था। घटना के बाद रवि किशन को लगा था कि अब सब खत्म हो गया। तब उनको सुनील शेट्टी ने सलाह दी थी कि पानी में रहकर रिकवरी करो, जिसके बाद वह 40 दिन पानी में रहे और फिर ठीक हो गए।वहीं, साउथ अफ्रीका में संजय दत्त और इमरान खान के साथ पानी के अंदर शूट करते वक्त भी रवि किशन की जान पर बन आई थी। रवि किशन को तैरना नहीं आता था। उनको वेट बांधकर 15-20 फीट नीचे डाला गया। जहां शार्क भी थीं। वे डूबने ही वाले थे, लेकिन किसी तरह ऊपर आकर बच गए थे।रवि किशन ने बताया था कि जब वह 13 साल के थे, तभी उन्होंने ठान लिया था कि इस बार अपने जन्मदिन पर मां को कुछ खास तोहफा देंगे। उन्होंने इसके लिए अखबार बेचने का काम शुरू किया था, जिससे उन्हें 25 रुपए मिलते थे और यह बात घरवालों को पता नहीं थी। रवि किशन और मनोज तिवारी आज दोनों एक ही पार्टी यानी बीजेपी के सांसद हैं। हालांकि, एक समय दोनों के बीच बहुत कॉम्पिटिशन था। मनोज तिवारी से उनकी 13 साल तक प्रतिद्वंद्विता रही। दोनों एक मंच पर नहीं जाते थे। पता चलता था कि मनोज आ रहे हैं तो रवि किशन वहां से निकल जाते थे। रवि किशन की प्रेम कहानी कॉलेज के दिनों से शुरू हुई थी। उनकी पत्नी से मुलाकात बांद्रा के बस स्टॉप पर हुई थी, जब दोनों कॉलेज जा रहे थे। पहली बार उनकी पत्नी ने ही बात की थी और उन्हें बेहद सीधा-सादा लड़का समझ लिया था। हालांकि, रवि किशन ने माना कि वे असल में काफी शरारती और चार बच्चे हैं, जिसमें एक बेटा और तीन बेटियां शामिल हैं। रवि किशन की बड़ी बेटी तनिष्का बिजनेस मैनेजर हैं, दूसरी बेटी रीवा एक्ट्रेस हैं और तीसरी बेटी इशिता शुक्ला एनसीसी कैडेट रहीं और जून 2023 में सेना में शामिल हुईं।रवि किशन को अपनी बेटी को अस्पताल से डिस्चार्ज कराने के लिए कर्ज लेना पड़ा था। रवि किशन ने बताया था कि बेटी के जन्म के समय उनके हालात इतने खराब थे कि अस्पताल से घर लाने के लिए भी उनके पास पैसे नहीं थे। मजबूरी में उन्होंने ब्याज पर कर्ज लिया और पत्नी व बेटी को अस्पताल से डिस्चार्ज कराया। बता दें कि तीन महीने में उन्होंने साड़ी खरीदने के लिए 75 रुपए इकट्ठे किए, लेकिन जब वे साड़ी लेकर घर पहुंचे और मां को दी, तो मां ने उन्हें जोर से थप्पड़ मार दिया। रवि किशन ने बताया था कि मां को लगा था कि साड़ी के लिए पैसे चुराए गए हैं। हालांकि, जब उन्होंने अखबार बेचने की बात बताई, तो मां ने उन्हें रोते हुए गले लगा लिया था। रवि किशन ने दूरदर्शन के एक कार्यक्रम में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा था कि एक वक्त ऐसा आया जब उनके पास पैसे नहीं थे। गांव से पिता का फोन आया कि खेत गिरवी है, उसे छुड़वाना है। उन्होंने 80 हजार में एक फिल्म साइन की, लेकिन प्रोड्यूसर ने सिर्फ 7-8 हजार रुपए दिए। डबिंग के समय भी प्रोड्यूसर ने रवि किशन को पैसे देने का वादा किया, मगर जब वो पैसे मांगने गए तो उसने अपमानित कर कहा - बहुत बड़ी बात है कि तुम्हें फिल्म में लिया है। पैसे मांगे तो रोल काट देंगे। रवि किशन ने बताया था कि पैसे नहीं मिले और फिल्म भी फ्लॉप हो गई।2024 के लोकसभा चुनाव में दाखिल किए गए हलफनामे के मुताबिक, रवि किशन की कुल संपत्ति लगभग 43 करोड़ रुपए है। रवि किशन की अचल संपत्तियां करीब 27 करोड़ रुपए की हैं, जिनमें मुंबई और पुणे के फ्लैट, गोरखपुर का बंगला और गांव का पुश्तैनी घर शामिल है। रवि किशन की चल संपत्तियों का मूल्य 15 करोड़ रुपए से अधिक है। उनके पास कई लग्जरी गाड़ियां भी हैं, जिसमें टोयोटा इनोवा, फॉर्च्यूनर, मर्सिडीज, बीएमडब्लू और जगुआर शामिल हैं।अब रवि किशन जल्द ही अजय देवगन स्टारर फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह पहली बार पर्दे पर सरदार के रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 25 जुलाई 2025 को रिलीज होगी।

बांग्लादेश में फिल्ममेकर सत्यजीत रे का घर गिराने पर रोक,भारत ने रोकने की अपील की थी, अब इसे फिर से बनाया जाएगा

ढाका। बांग्लादेश में भारत के मशहूर फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे के पैतृक घर के तोड़े जाने पर रोक लगा दी गई है। सत्यजीत रे के पुरखों के घर मैमनसिंह शहर में है। अधिकारियों ने अब यह तय करने के लिए एक समिति बनाई है कि इस घर को दोबारा कैसे बनाया जा सकता है। भारत ने मंगलवार को बांग्लादेश से सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को ध्वस्त करने के फैसले पर रोक लगाने की अपील की थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस तोड़फोड़ का विरोध करते हुए कहा कि यह घर बंगाल के सांस्कृतिक इतिहास से गहराई से जुड़ा हुआ है। सत्यजीत रे एक प्रसिद्ध भारतीय फिल्म डायरेक्टर, लेखक, संगीतकार और चित्रकार थे। उन्हें विश्व सिनेमा के बड़े फिल्मकारों में से एक माना जाता है। बांग्लादेश में सत्यजीत रे का घर लगभग सौ साल पहले बनाया गया था। 1947 में बंटवारे के बाद यह संपत्ति बांग्लादेश सरकार के अधीन हो गई थी।यह घर दरअसल सत्यजीत रे के दादा, प्रसिद्ध लेखक उपेंद्रकिशोर रे चौधरी से जुड़ा है। हालांकि, बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी फैसल महमूद ने बताया कि सत्यजीत रे खुद कभी इस घर में नहीं रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि उपेंद्रकिशोर भी शायद इस घर में नहीं रहे थे, क्योंकि वह पास के किशोरगंज जिले के कोटियाडी नाम की जगह में रहते थे। वहां उनका असली घर आज भी है और उसे विरासत स्थल के रूप में सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश की विरासत सूची में ऐसे 531 संरक्षित स्थल हैं, लेकिन मैमनसिंह वाला यह घर उस सूची में नहीं था। यह प्रशासन की गलती थी कि इस घर को विरासत स्थल के रूप में नहीं जोड़ा गया, इसलिए इसे बचाने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं थी। फिर भी अब जब इस पर विवाद हुआ है, तो सरकार इस पर दोबारा विचार कर रही है।फैसल महमूद ने कहा कि सत्यजीत रे सिर्फ भारत या बांग्लादेश के नहीं हैं, वह पूरी दुनिया की धरोहर हैं। वे सभी बांग्लादेशियों के लिए भी गौरव हैं। इससे पहले भारत सरकार ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैमनसिंह में सत्यजीत रे के पैतृक घर को गिराया जा रहा है। यह पुनर्जागरण का प्रतीक रहा है। भारत ने कहा कि यह इमारत बांग्लादेश सरकार की संपत्ति है और खराब हालत में है, लेकिन इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए इसे गिराने के बजाय संग्रहालय या सांस्कृतिक स्थल में बदलना बेहतर होगा। भारत सरकार ने इसके पुनर्निर्माण और संरक्षण में सहयोग देने की पेशकश भी की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इसे 'बेहद दुखद' घटना बताया और कहा कि ये परिवार बंगाली संस्कृति का प्रमुख प्रतीक है। उन्होंने अपील की कि बांग्लादेश सरकार इस ऐतिहासिक इमारत को संरक्षित करे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उपेंद्र किशोर बंगाल के पुनर्जागरण के स्तंभ रहे हैं और इस घर का संरक्षण जरूरी है।सत्यजीत रे का जन्म 2 मई 1921 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ था। वे एक प्रतिष्ठित बंगाली परिवार से थे और उनके दादा उपेन्द्रकिशोर रे चौधरी एक प्रसिद्ध लेखक और चित्रकार थे। सत्यजीत रे की पहली फिल्म पाथेर पांचाली थी, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना मिली।

यह बंगाली भाषा में रिलीज हुई तीन फिल्मों की सीरीज 'अपु त्रयी' का पहला पार्ट थी। 1955 में रिलीज हुई पाथेर पांचाली, 1956 में रिलीज हुई अपराजितो और 1959 में रिलीज हुई अपुर संसार को 'अपु त्रयी' कहा जाता है। सत्यजीत रे ने कुल 37 फिल्मों का निर्देशन किया। इनमें फीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्री, और शॉर्ट फिल्में शामिल हैं। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ऑस्कर कमेटी ने लाइफटाइम अचीवमेंट का ऑस्कर पुरस्कार कोलकाता में उनके घर आकर दिया था। लाइफटाइम अचीवमेंट ऑस्कर पाने वाले सत्यजीत पहले भारतीय फिल्ममेकर हैं।सत्यजीत ने अपनी कई फिल्मों का संगीत खुद दिया। वे डायलॉग्स भी खुद ही लिखते थे। भारत सरकार ने उन्हें 1965 में पद्म भूषण, 1976 में पद्म विभूषण, और 1992 में मरणोपरांत भारत रत्न जैसे देश के उच्चतम नागरिक सम्मान दिए। 23 अप्रैल 1992 को कोलकाता में उनकी मौत हो गई।

कियारा आडवाणी- सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर आई नन्ही परी

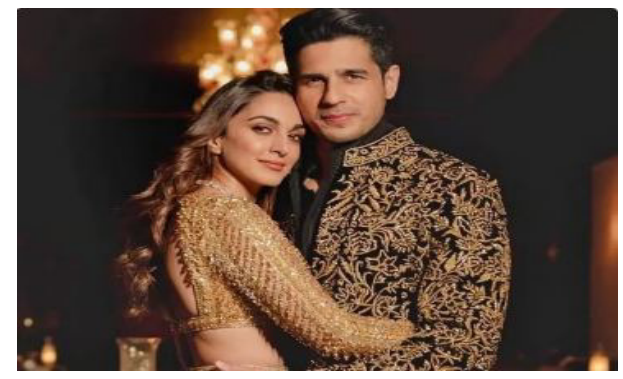

मुंबई। कियारा शामिल हुए थे। शादी के आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा पेरेंट्स बन गए हैं। कियारा ने मंगलवार रात को मुंबई के एचएन रिलायंस हॉस्पिटल में बेटी को जन्म दिया है। कियारा सोमवार को हॉस्पिटल में एडमिट हुई थीं, जहां उनकी नॉर्मल डिलीवरी हुई है। कियारा आडवाणी और बेबी दोनों हेल्दी हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, कियारा की डिलीवरी अगस्त में होनी थी, जो अब जुलाई में हुई है। फिलहाल सिद्धार्थ और कियारा की तरफ से इसकी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। फैंस इस खुशखबरी के बाद कपल की बेटी की पहली झलक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताते चलें कि सिद्धार्थ और कियारा ने फिल्म शेरशाह में साथ काम किया था। शूटिंग के सेट पर दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। सिद्धार्थ और कियारा ने 7 फरवरी 2023 को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की थी।ये एक इंटिमेट वेडिंग थी, जिसमें करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही एक साल बाद फरवरी 2024 में कपल ने खूबसूरत अंदाज में गुड न्यूज शेयर की थी। कपल ने एक छोटे से सॉक्स की तस्वीर के साथ लिखा था, हमारी जिंदगी का सबसे बेहतरीन गिफ्ट जल्द आ रहा है।साल 2019 में फिल्म जुग जुग जियो के प्रमोशनल इवेंट में कियारा आडवाणी ने मां बनने पर बात की थी। उस समय उनकी शादी भी नहीं हुई थी।

कोईमोई से बातचीत में कियारा ने कहा था कि वो चाहती हैं उन्हें एक बेटी और एक बेटा हो। उन्होंने कहा था, मैं इस लिए प्रेग्नेंट होना चाहती हूं, जिससे मैं जो चाहूं वो खा सकूं और भूल जाऊं। मुझे बस दो हेल्दी बच्चे चाहिए, जो भगवान मुझे तोहफे में दें। एक लड़का और एक लड़की हो।

बताते चलें कि कियारा आडवाणी फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ नजर आने वाली थीं, हालांकि प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के बाद कियारा ने फिल्म छोड़ दी थी। वो फिलहाल मेटरनिटी ब्रेक पर हैं।

विक्रांत मेस्सी ने छोड़ी रणवीर सिंह की डॉन 3,अब नेगेटिव रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य राय कपूर से बातचीत जारी

मुंबई। फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 की कास्टिंग में लगातार दिक्कतें हो रही हैं। कुछ समय पहले ही कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी के चलते लीड रोल छोड़ दिया था। वहीं अब फिल्म में नेगेटिव रोल के लिए साइन किए जा चुके एक्टर विक्रांत मेस्सी ने भी फिल्म से हटने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रांत को उनका रोल पसंद नहीं आ रहा था। हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया है विक्रांत मेस्सी को डॉन 3 में उनके किरदार में गहराई की कमी लगी, जिससे उन्होंने इससे हटने का बोल्ड फैसला लिया है। फिल्म में उनका किरदार नेगेटिव था, जो चिकनी-चुपड़ी बातें करने वाला घोटालेबाज है। फिल्म में उनके लीड एक्टर रणवीर सिंह के साथ भी कई एक्शन सीक्वेंस थे। अब फरहान अख्तर को फिर एक बार कास्टिंग के लिए जद्दोजहद करनी पड़ेगी।मेकर्स नए एक्टर की तलाश में जुट चुके हैं। सूत्र के अनुसार, मेकर्स विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से इस रोल पर चर्चा कर रहे हैं, हालांकि दोनों की तरफ से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। जिस समय फिल्म बननी शुरू हुई थी, उस समय रणवीर सिंह के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में थीं। लेकिन प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के ठीक बाद कियारा ने मेटरनिटी ब्रेक लेने के लिए अचानक फिल्म छोड़ दी। मेकर्स ने उनके इस फैसले का सम्मान किया था। कियारा की जगह अब फिल्म में कृति सेनन को साइन किया गया है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होने वाली है। पहले मेकर्स 2025 से शूटिंग शुरू करना चाहते थे। बताते चलें कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होने वाली है।

'पंचायत' के सचिव जी दिखेंगे मिर्जापुर फिल्म में,जितेंद्र कुमार विक्रांत मैसी को करेंगे रिप्लेस, रवि किशन भी आएंगे नजर

मुंबई। बहुचर्चित वेब सीरीज 'मिर्जापुर' अब बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। वेब सीरीज इतिहास में यह पहली बार है, जब सीरीज को फिल्म में कन्वर्ट किया जा रहा है। आगे चलकर उस पर आधिकारिक मुहर भी लगी। सीरीज में मुख्य किरदार गुड्डू और बबलू पंडित को अली फजल और विक्रांत मैसी ने प्ले किया था। जब मिर्जापुर को बतौर फिल्म भी लाने की घोषणा हुई तो यही कहा गया कि फिल्म में भी वो दोनों ही मेन लीड होंगे। मगर अब इससे जुड़े सूत्रों से मिली जानकारियों के तहत विक्रांत मैसी फिल्म में नहीं रहने वाले हैं। सूत्रों से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, 'इसे फिल्म में कन्वर्ट किया जा रहा है। साथ ही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। विक्रांत मैसी की जगह अब उसमें 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार, जिन्हें दर्शक प्यार से 'जीतू भैया' के नाम से जानते हैं, मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि विक्रांत मैसी अपने अन्य प्रोजेक्ट्स की व्यस्तता के चलते फिल्म से अलग हुए हैं, जिसके बाद मेकर्स ने जीतू भैया पर दांव लगाने का फैसला किया है। जीतू भइया यानी जितेंद्र कुमार भी ओटीटी स्पेस में काफी लोकप्रिय हैं। इनफैक्ट उन्हें ओटीटी स्पेस का शाहरुख खान भी पुकारा जाता है। ऐसे में बतौर बबलू पंडित मिर्जापुर फिल्म में उनकी कास्टिंग भी ऐप्ट है। मेकर्स की ओर से इस पर अनाउंसमेंट जल्द आने को है।सूत्रों ने बताया, 'फिल्म की शूटिंग मुख्य रूप से मुंबई और बनारस के वास्तविक लोकेशन पर होगी, जो कहानी के मिजाज को और गहराएगी। इसके अलावा, एक महत्वपूर्ण हिस्सा राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके में भी फिल्माया जाएगा, संभवतः जोधपुर या जैसलमेर जैसी जगहों पर। फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश अभी जारी है। खबरों के मुताबिक, सोनम बाजवा और सोनल चौहान के नामों पर विचार किया जा रहा है। सोनल चौहान की लंबे समय बाद वापसी को लेकर कुछ सवाल उठ रहे हैं, लेकिन मेकर्स इन दोनों नामों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। पहले अली फजल की व्यस्तता के कारण फिल्म की शूटिंग में कुछ देरी हो रही थी, लेकिन अब उनकी डेट्स मिल चुकी हैं। फिल्म का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। शूटिंग पहले मुंबई में शुरू होगी, जिसके बाद टीम बनारस और फिर राजस्थान का रुख करेगी। उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर से शुरू हो जाएगी। विक्रांत के फिल्म में न होने की वजह उनके आगामी प्रोजेक्ट्स हैं। खासकर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की बायोपिक। उस प्रोजेक्ट की व्यस्तता और किरदार की इमेज के चलते माना जा रहा कि विक्रांत ने मिर्जापुर फिल्म को ना कहा है। हालांकि विक्रांत की ओर से इस पर आधिकारिक ऐलान होना बाकी है।मिर्जापुर' फिल्म में दर्शक अपने पसंदीदा किरदारों को एक बार फिर बड़े परदे पर देख पाएंगे। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), रवि किशन, और बीना त्रिपाठी (रसिका दुगल) जैसे प्रमुख कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी पहले सीजन के मूल तत्वों को बरकरार रखेगी, लेकिन इसमें नए ट्विस्ट, भरपूर एक्शन और कुछ धमाकेदार फाइट सीक्वेंस जोड़े जाएंगे। रवि किशन की भूमिका को भी कहानी में एक नया आयाम देने के लिए शामिल किया गया है, जिससे दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा। गुरमीत सिंह का निर्देशन और पुनीत कृष्णा की कलम वेब सीरीज के सफल निर्देशन के बाद, गुरमीत सिंह ही फिल्म 'मिर्जापुर' का निर्देशन करेंगे, जिससे दर्शक कहानी के मिजाज से वाकिफ रहेंगे। फिल्म की कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है, जो वेब सीरीज के भी लेखक रहे हैं। बीच में ऐसी भी खबरें थीं कि पुनीत कृष्णा का एक्सेल एंटरटेनमेंट से कुछ मतभेद हुआ था और वह नेटफ्लिक्स के साथ किसी अन्य प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, लेकिन अब वह पूरी तरह से 'मिर्जापुर' फिल्म टीम के साथ जुड़ गए हैं। दर्शकों के मन में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठ रहा है कि जब वे वेब सीरीज देख चुके हैं, तो फिल्म में क्या नया मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि फिल्म में पहले सीजन के किरदारों और घटनाओं को आधार बनाया जाएगा, लेकिन कहानी को एक नए तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें कई रोमांचक एक्शन और फाइट सीक्वेंस होंगे। यह भी बताया गया है कि वेब सीरीज की तरह ही फिल्म में कुछ वयस्क सामग्री भी शामिल होगी, जिसे हटाया नहीं जाएगा।मेकर्स का लक्ष्य है कि 'एनिमल' जैसी फिल्मों के दर्शक इस फिल्म को देखने आएं, जिससे 'मिर्जापुर' की अपनी विशिष्ट ऑडियंस सिनेमाघरों तक पहुंचे। इसका सीधा सा मतलब है कि फिल्म का टारगेट ऑडियंस वही होगा जो वेब सीरीज से जुड़ा है, और उन्हें वही 'मसाला' मिलेगा जिसकी उन्हें उम्मीद है। फिल्म में कुछ नए कलाकार भी शामिल किए जा सकते हैं। कास्टिंग प्रक्रिया अभी भी जारी है, और निर्देशक गुरमीत सिंह भी नए चेहरों की तलाश में हैं ताकि फिल्म में कुछ ताजगी लाई जा सके। सेट लगाने और अन्य प्री-प्रोडक्शन तैयारियों के साथ, 'मिर्जापुर' फिल्म की शूटिंग अगस्त के मध्य से सितंबर तक शुरू होने की संभावना है। यह फिल्म बड़े पर्दे पर 'मिर्जापुर' के रोमांच को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।